माघ शुक्ल पक्ष-प्रतिपदा, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 265 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 मार्च 2024 रविवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

चंद्रयान 4 की तैयारी शुरू

इस बार चांद की मिट्टी और पत्थर लेकर आएगा चंद्रयान

नई दिल्ली, एजेंसी।

गत वर्ष अगस्त में इसरो ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कराकर इतिहास रच दिया था। भारत के लिए यह किसी कीर्तिमान से कम नहीं था। अब इसरो चंद्रयान-4 की तैयारी कर रहा है। ऐसा पहली बार होगा कि एक ही मिशन को पूरा करने के लिए एक नहीं दो रॉकेट को लॉन्च किया जाएगा। इस बार भेजा गया चंद्रयान चांद की जमीन पर लैंड करने के बाद वहां से कुछ सैंपल भी लेकर लौटेगा। हालांकि चंद्रयान-4 को लॉन्च करने में अभी समय है। कहा जाता है कि इसे साल 2028 से पहले लॉन्च किया जाएगा।

इसरो ने बताया कि पहली बार, इसरो एक ही मिशन को पूरा करने के लिए दो रॉकेट लॉन्च किए जाएंगे। चंद्रयान-4 इस बार अपने साथ चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी (रेजोलिथ) को वापस लेकर लौटेगा। दो अलग-अलग रॉकेट भारी लिफ्टर एलवीएम-3 और इसरो का वर्कहॉर्स पीएसएलवी एक ही चंद्र मिशन के लिए अलग-अलग पेलोड ले जाएंगे और अलग-अलग दिनों में लॉन्च किए जाएंगे। यदि यह सफल रहा तो मिशन भारत को चांद की सतह से नमूने लाने की क्षमता वाला चौथा राष्ट्र बना देगा।

सीमा-सचिन को पाक से 3 करोड़ का नोटिस

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान से गैरकानूनी तरीके से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर और उसका भारतीय पति सचिन मीना अब मुसीबत में फंसते दिख रहे हैं। सीमा के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने सीमा और सचिन 3 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। गुलाम ने भारत में नियुक्त अपने वकील मोमिन मलिक के जरिए ये नोटिस भेजा। सीमा के वकील एपी सिंह को भी 5 करोड़ रुपये का नोटिस भी भेजा गया है। मोमिन ने सीमा और सचिन से कहा है कि वे एक महीने के अंदर माफी मांगते हुए ये पैसा उसको दे दो। नोटिस सचिन के घर पहुंच गया है और अभी वो इसे लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। क्योंकि सीमा के भारत आने से लेकर सचिन के घर रहने तक सब गैरकानूनी है। वकील ने कहा कि मांगे नहीं मानी गईं तो इसका नतीजा ये होगा कि सीमा को जेल जाना होगा, जो पहले से ही जमानत पर हैं। साथ ही सचिन की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव

शमी भाजपा की पिच पर राजनीति की पारी खेलेंगे

कोलकाता, एजेंसी।

टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल से चुनाव लड़ सकते हैं। शमी को यह प्रस्ताव भारतीय जनता पार्टी की ओर से मिला है। भाजपा नेतृत्व पहले ही इस प्रस्ताव के साथ मोहम्मद शमी से संपर्क कर चुका है। अगर सब कुछ सही रहा तो शमी बशीरहाट सीट से चुनाव लडेंगे।

उल्लेखनीय है कि विश्वकप में हार के बाद टीम के ड्रेसिंग रूम पहुंचकर पीएम मोदी ने खिलाडियों से बात की थी,तब उन्होंने शमी की पीठ ठोकी थी और उन्हें गले भी लगाया था। हालांकि अंतिम फैसला शमी को लेना है, जो सर्जरी के चलते फिलहाल क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शमी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो वो उन क्रिकेटर्स में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने क्रिकेट के अलावा राजनीति की पिच पर भी किस्मत आजमा चुके हैं। कुछ क्रिकेटर्स ने तो सांसद या विधायक बनकर अपने-अपने क्षेत्र की जनता का प्रतिनिधित्व किया। वहीं कुछ को राजनीति के मैदान में असफलता हाथ लगी। हाल में गौतम गंभीर ने राजनीति छोडी है।

पीएम मोदी ने कहा-दूसरों की घोषणाएं और हमारे कामों में बहुत फर्क

चुनाव के पहले टेकऑफ: ग्वालियर जबलपुर समेत 16 नए एयरपोर्ट

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो।

मप्र का ग्वालियर का हवाईअड्डा अब सूबे का सबसे बडा एयरपोर्ट बन गया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया और जबलपुर के डुमना एयर टर्मिनल सहित देश के 16 एयरपोर्ट का वचुर्अल लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने इसे विकास का नया अध्याय बताया और कहा कि सडक रेल हवाईजहाज के लिये यह सारे प्रयास आम नागरिकों के लिये है। मोदी ने कहा कि चुनाव के मौसम में पहले की सरकार में बैठे लोग लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए घोषणाएं कर देते थे। संसद में भी रेलवे की नई घोषणाएं करते थे। आज देश देख रहा है मोदी दूसरी मिट्टी का इंसान है। 2019 में भी हमने शिलान्यास किए थे वे चुनाव के लिए नहीं किए। उसका हम लोकार्पण कर चुके हैं। इस एयर टर्मिनल को पांच सौ करोड़ की लागत से बनाया गया है। जबलपुर की डुमना एयरपोर्ट की खूबसूरत इमारत भी आज से जनता के लिए खुल गई।

इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संबोधित किया। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अब तीन नए एयरपोर्ट बनने जा रहे हैं। इनमें उज्जैन में नया एयरपोर्ट बनने जा रहे हैं। गुना और शिवपुरी में एयरपोर्ट बनने जा रहे हैं। पहले चार एयरपोर्ट थे, अब 10 एयरपोर्ट होने जा रहे हैं। देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। जिन्होंने देश का झंडा देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं, चांद पर ही गाड़ कर रख दिया है। उन्होंने बताया कि उप्र में 6, मप्र में दो, महाराष्ट्र में दो, कर्नाटक में दो, आंध्र प्रदेश में एक, पंजाब में एक और दिल्ली में एक कुल 15 एयरपोर्ट टर्मिनल का लोकार्पण-शिलान्यास आज हुआ है।

रिकॉर्ड समय में बना

ग्वालियर के एयर टर्मिनल को रिकॉर्ड समय 16 माह में तैयार किया गया है। ग्वालियर विमानतल पर आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ही मप्र के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर व कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह मौजूद रहे। सिंधिया टर्मिनल के साथ 9811 करोड़ की 14 अन्य हवाई अड्डा परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास हुआ है। इनमें महाराजपुरा स्थित एयर टर्मिनल देश में सबसे तेजी से बनने वाले एयरपोर्ट में शुमार है।

इंदौर और भोपाल के टर्मिनल से बड़ा ग्वालियर

खास बात है कि यह इंदौर और भोपाल के टर्मिनल से भी बा है। ग्वालियर शहर वर्तमान में हवाई मार्ग से देश के सात शहरों से जुा हुआ है। नए एयर टर्मिनल से ए-320 और बोइंग 777 विमान उड़ान भर सकेंगे। साथ ही इस टर्मिनल पर एक बार में नौ एयरबस खड़ी होने की क्षमता है। यहां चार पार्किंग-वे, पांच रिमोट पार्किंग-वे के अलावा चार पार्किंग छोटे विमान और हेलीकाप्टर के लिए रहेंगे। करीब दो लाख वर्ग फीट से बना यह विमानतल मप्र का सबसे बड़ा विमानतल है।

लालू के करीबी सुभाष यादव गिरफ्तार, ईडी को दो करोड़ कैश और कई कागजात मिले

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी सुभाष यादव को ईडी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह से लेकर रात तक सुभाष यादव के आठ ठिकानों पर छापेमारी चली थी। इसके बाद करीब दो करोड़ कैश बरामद और जमीन से जुड़े कई कागजात बरामद हुए थे। जांच के बाद ईडी की टीम ने सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया। ईडी की टीम की ओर से अब तक बयान जारी नहीं किया गया है। सुभाष यादव ब्रॉडसन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्ट हैं। उन पर बालू के अवैध कारोबार करने का आरोप है। वहीं इस गिरफ्तारी के बाद राजद खेमे में हड़कंप मचा हुआ है। इससे पहले राजद एमएलसी विनोद जायसवाल के ठिकाने पर इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की थी। टीम ने पटना स्थित आवास पर रेड की थी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में सुनाई खरी-खरी

चौथाई सदी गुजरी और कितना इंतजार करें यूएन को अप्रासंगिकता के रास्ते पर भेजेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने न्यूयॉर्क में 78वें सेशन की अनौपचारिक बैठक में कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आवश्यक सुधारों की तत्काल जरूरत है। इन सुधारों पर एक दशक से ज्यादा समय से चर्चा चल रही है, लेकिन नतीजा नहीं निकला है। कंबोज ने कहा कि करीब एक चौथाई सदी बीत चुकी है, दुनिया और हमारी आने वाली पीढ़ियां अब और इंतजार नहीं कर सकतीं। कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की शुरुआत में देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2000 में मिलेनियम शिखर सम्मेलन में वर्ल्ड लीडर्स ने सिक्योरिटी काउंसिल के सभी पहलुओं में व्यापक सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया था. रुचिरा कंबोज ने सुझाव दिया कि अगले साल संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ है और सितंबर में एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन होने वाला है. ऐसे मौकों पर इन जरूरी सुधारों को पेश किया जाना चाहिए।

रुचिरा ने कहा कि हमें अफ्रीका सहित युवा और भावी पीढ़ियों की आवाज पर ध्यान देते हुए सुधार को आगे बढ़ाना चाहिए, जहां ऐतिहासिक अन्याय में सुधार करने की मांग और भी मजबूत हो रही है. उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं किया गया तो हम परिषद को गुमनामी और अप्रासंगिक होने के रास्ते पर भेज देंगे। कंबोज ने अधिक समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का प्रस्ताव दिया, जिसमें सुझाव दिया।

सियायत में नई बहस...

सियासी दलों के एनपीए या मैनेजीरियल नाकामी

कांग्रेस का भला कर रहे कांग्रेस छोड़कर जाने वाले..!

अर्थात्
आशीष दुबे

मौसम वसंत का है, जब पुराने पत्ते झड़ते हैं। मगर हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा में सावन आया है, वह भी झूमकर। हर तरफ 'फील गुड' की चमकती झालरें लहरा रही हैं। चार सौ पार के नारे से पूरा कैडर उल्लासित हैं, जीत के वंदनवार अभी से सजाने की कोशिशें हैं। परंपरागत विरोधी दल कांग्रेस से बड़े नेताओं के जत्थे गाते-बजाते भाजपा की ओर बढ़े आ रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान में कई कांग्रेस नेताओं के पलायन के बाद मप्र में सुरेश पचौरी प्रसंग चर्चा में हैं, जो टीम समेत अब भाजपा में हैं। लेकिन भाजपा के अंदर भी कुछ सवाल हैं, इस नए शोर में भाजपा के बुर्जुगवार बुदबुदा रहे हैं- 'जब सिस्टम सिध्दांत के विपरीत जाता है तो सिध्दांत का कुछ नहीं बिगड़ता, सिस्टम चरमरा जाता है।' उधर कांग्रेस नेता कह रहे हैं- 'उन्होंने तो कांग्रेस का भला ही किया है कांग्रेस छोड़कर, या भार उतरा।'

बहरहाल सवाल यह भी हैं कि, लोकसभा चुनाव लड़ने के दबाव के चलते पचौरी ने कांग्रेस छोड़ी या वे वजहें जो उन्होंने भाजपा के मंच पर गिनाई? दरअसल, हर मैदानी चुनाव में नाकामी पचौरी की नियति रही है। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें चार बार राज्यसभा सांसद, दो बार केंद्रीय मंत्री,पीसीसी चीफ भी बनाया। एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि यदि कांग्रेस के राममंदिर स्टेंड पर उन्हें दिक्कत थी तो वे खुद राममंदिर क्यों नहीं गए, जबकि कांग्रेस ने किसी नेता को नहीं रोका था। इन सबके बीच कल वीडी समेत भाजपा नेताओं की टीम पचौरी के बारे में कुछ बातें काबिलेगौर रहीं। इसके बरक्स अब कई ऐसे कथन बरबस ही 'मानक' नजर आ रहे हैं जो उस वक्त अमानक माने जा रहे थे।

कांग्रेस को मिला ताजा झटका, उसके रिक्टर स्केल पर कितनी कंपन पैदा करेगा, यह चुनाव नतीजे बताएंगे। मगर कांग्रेस के लिए मौका है कि वह भाजपा के माइंड गेम से उबरे व शाख पर नई कोपलें पैदा कर खुद को नये सिरे से गढ़े। हालांकि कांग्रेस के सूबाई निजाम में बीते तीन महीने से यह 'इंस्टिंक्ट' नहीं नजर आती। इसीलिए इसी अरसे में जगतबहादुर से लेकर पचौरी तक कई एपिसोड आ चुके हैं। इस नए जत्थे को भाजपा से क्या मिलेगा, यह दिलचस्प है। संभव है किसी को *लाटसाहबी* मिले तो किसी को टिकट या गुना लोकसभा परिणाम से राज्यसभा का रास्ता। हालांकि फिलहाल पचौरी के साथ गए संजय शुक्ला के चेहरे पर 'संजय पाठक' पढ़ा जा सकता है, राजूखेड़ी के चेहरे पर सियासी भय, कैलाश मिश्रा के चेहरे पर *चतुराई* तो अतुल शर्मा के चेहरे पर *भावनाएं*।

बहरहाल, कांग्रेस हो या भाजपा, यह अपने नेताओं के दलबदल को एनपीए (नॉन प्राफिटेबल असेट्स) बताकर खारिज जरूर करते हैं, लेकिन सच यही है कि कई साल की कोशिश के बाद कोई पार्टी अपने कार्यकर्ता को एक मुकम्मल नेता बना पाती है, ऐसे में उसका जाना 'मैनेजीरियल खामियों' को उजागर करता है व तात्कालिक नुकसान देता है। कांग्रेस की इस खामी का विस्तार सूबों से दिल्ली की अकबर रोड तक है। इस हालत पर किसी ने लिखा है-'पुरानी समझ के म्यान कहीं फेंक न देना, शायद ये दुश्मनों को डराने के काम आए।' मगर कई बार कांग्रेस-भाजपा तलवार व पुरानी म्यान के महत्व से बेपरवाह भी दिखते है। फिलहाल यह आवाजाही चुनाव के ऐलान तक है,इसके बाद मैदानी तैयारियों का असल इम्तिहान हैं।

कुछ समय पहले कांग्रेस ने भाजपा के कई 'दीपकों' से उजाला करने की नाकाम कोशिशें की थीं। इस समय चुनावी सफलता के प्रकाश से नहाई भाजपा का कांग्रेस के मध्दिम पड़ते चिरागों से यह जतन कौतुहल पैदा करता है और उसकी भावी पीढ़ियों के लिए संशय..!

इधर भाजपा को झटका सांसद ने पार्टी-पद छोड़ा

चंडीगढ़। हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बृजेंद्र सिंह और उनके पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह

मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस में शामिल होंगे। बीरेंद्र सिंह 2014 में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाकर केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीरेंद्र सिंह ने अपने बेटे बृजेंद्र सिंह को टिकट दिलाया था। जानकारी के अनुसार बृजेंद्र सिंह भाजपा की टिकट कटने की संभावना मानी जा रही थी। जजपा के साथ गठबंधन जारी रखने पर बीरेंद्र और बृजेंद्र सिंह ने भाजपा छोड़ने का एलान किया था। भाजपा ने जजपा को एनडीए में शामिल किया है। भाजपा ने हरियाणा में जजपा के साथ सीट को लेकर कोई एलान नहीं किया है।

मंत्रालय की आग

तीन दिन में समिति को प्रारंभिक व 15 दिन में विस्तृत जांच प्रतिवेदन देना होगा

सरकार ने देर रात बनाई जांच कमेटी, सुलेमान की अगुवाई में होगी पड़ताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंत्रालय में लगी आग के कारणों और उससे हुए नुकसान की जांच के लिए सरकार ने शनिवार देर रात एक जांच कमेटी गठित की। यह कमेटी लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान की अध्यक्षता में जांच करेगी। इसके पहले दिन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आग के कारणों और उससे हुए नुकसान की जांच की बात कही थी। कमेटी में 6 सदस्य भी नियुक्त किए हैं। ये भी आग लगने के कारणों व उससे हुए नुकसान पर प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन 3 दिन और विस्तृत जांच प्रतिवेदन 15 दिन में प्रस्तुत करेंगे।

इन्हें बनाया सदस्य

उच्च स्तरीय कमेटी में गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा, अतिरिक्त महानिदेशक अग्निशमन सेवाएं आशुतोष झा, भोपाल संभाग के आयुक्त पवन शर्मा व भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र को सदस्य बनाया है।

कमेटी इन बिंदुओं पर करेगी जांच

- आग लगने के कारण क्या है। घटना से क्या और कितना नुकसान हुआ। इसके लिए जिम्मेदार कौन है।
- आग लगने के कारण मंत्रालय भवन को किस तरह की क्षति हुई।
- भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो इसके लिए क्या किए जाने की जरुरत है।

मिसरोद स्वास्थ्य केंद्र में बनेगा योग केंद्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में योग केंद्र की स्थापना होगी ताकि क्षेत्र के लोगों को योग से जोड़ा जा सके। साथ ही यह स्वास्थ्य केंद्र अब स्व. पुनिया बाई पाटीदार के नाम से जाना जाएगा। प्रसूति वार्ड का विस्तार होगा। ये घोषणाएं राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने शनिवार को की। वह स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंची थी, उन्होंने हितग्राहियों को मच्छरदानी वितरित कर उनका उपयोग करने की सलाह दी ताकि मच्छरजनित बीमारियों से बचा जा सके।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बालकृष्ण श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में भागीरथ पाटीदार, शीला पाटीदार ने सहयोग किया। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता व सहयोगिनियों का सम्मान किया गया।

11 से 16 मार्च के बीच राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2023

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों पर 11 से 16 मार्च के बीच मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2023 आयोजित होगी। परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी हो चुके हैं। मुख्य परीक्षा में छह हजार 662 अभ्यर्थियों को शामिल होना है। अभ्यर्थियों की याचिका पर जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। इस दौरान कोर्ट ने परीक्षा पर रोक जैसा कोई निर्देश नहीं दिया। कोर्ट ने कहा कि वह उन्हीं याचिकाकर्ताओं को सुनेगा, जिन्होंने सात दिन के भीतर प्रोविजनल आंसर की पर आपत्ति ली थी। साथ ही जिन्होंने कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जनहित याचिका नहीं है, इसलिए इस आधार पर अन्य दावा नहीं कर सकते हैं।

परीक्षा में लगभग 20 लाख विद्यार्थी हो रहे हैं शामिल

बोर्ड पैटर्न पर 11 से शुरू होगा 9-11वीं परीक्षाओं का मूल्यांकन

उत्तरपुस्तिकाओं पर लगेगी सील, बंडल मूल्यांकन केंद्र के स्कूल के प्राचार्य, मूल्यांकन केंद्र अधिकारी को जमा होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 6 मार्च से बोर्ड पैटर्न पर शुरू हुई कक्षा 9वीं 11वीं की परीक्षा के मूल्याकन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 11 मार्च से 28 मार्च के बीच इन परीक्षाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने मूल्यांकन को लेकर आदेश जारी किए है। मूल्यांकन के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी नोडल तथा विकासखंड के उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य मूल्यांकन केंद्र अधिकारी बनाए गए हैं। परीक्षा के बाद उत्तरपुस्तिकाओं को विषयवार एवं कक्षावार सील कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। 11, 16, 21 एवं 23 मार्च तक सपन्न होने वाली परीक्षा की सभी उत्तरपुस्तिकाओं के बंडल संबंधित मूल्यांकन केंद्र के स्कूल के प्राचार्य, मूल्यांकन केंद्र अधिकारी को जमा किए जाएंगे। 28 मार्च तक मूल्यांकन कार्य पूरा किया जाएगा और अंक पत्रक विकासखंड के उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य को जमा किए जाएंगे।

पंचायत मतदाता सूची का आधुनिकरण करें: चेलानी

चुनाव की सामग्री पंचायत को सौंपी गई

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत के 25 दिसंबर 2022 को हुए त्रिवार्षिक चुनाव की साम्रगी समय अवधि पूरी होन के बाद पंचायत पदाधिकारियों को सौंप दी गई है। चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी के नेतृत्व में विष्णु गेहानी के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराए गए थे।

नवयुवक सभा भवन में चुनाव अधिकारी बसंत चेलानी, सह चुनाव अधिकारी धर्मप्रकाश मोटवानी, कोषाध्यक्ष सुरेश राजपाल द्वारा विष्णु गेहानी की उपस्थित में पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी, सचिव मोहन मीरचन्दानी, घनश्याम लालवानी, राज मनवानी को सौंपी गई। इस अवसर पर चेलानी और उनकी टीम ने पूज्य सिंधी पंचायत को पत्र सौंपकर उनसे अपेक्षा की गई कि भविष्य में होने वाले चुनावों के लिए पंचायत के सदस्यों की सूची का नवीनीकरण किया जाए एवं मतदाता सूची का आधुनिकरण किया जाए तथा पंचायत के सदस्यों को जिस अपेक्षा के साथ विजयी बनाया गया है पूज्य सिंधी पंचायत उनकी अपेक्षाओं पर खा उतरकर समाज सेवा के उल्लेखनीय कार्य कर अनुकरणीय उदाहरण पेश करें।

दूध, गुलाल एवं अबीर से किया शिवअभिषेक

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर मां गायत्री मंदिर सैनिक कॉलोनी में दूध गुलाल एवं अबीर से अभिषेक किया गया। पंडित राज कुमार गर्ग द्वार वेद मंत्रों के साथ शिव अभिषेक कराया। समिति के अध्यक्ष देवानी ने बताया कि गुलाल एवं अबीर से शिव अभिषेक करने से हर काम बन जाते हैं। शिवजी के बाद प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधू चांदवानी, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी राजकुमार गर्ग सलाहाकार प्रभु मूलचंदानी आदि मौजूद रहे।

शिवरात्रि पर 101 भक्तों ने काल सर्प और पितृदोष का किया पूजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सैनिक कालोनी नुक्कड वाली माता मंदिर में शिवरात्रि पर गौधुली बेला में कालसर्प, पितृदोष, चांडाल दोष का अनुष्ठान में 101 भक्तों ने हिस्सा लिया। ब्राह्मणों ने विधि विधान से पूजन कराया। आयोजन समिति के मुख्य यजमान विष्णु विश्वकर्मा द्वारा यह अनुष्ठान निःशुल्क कराया गया।

मंदिर के पुजारी रवि पटेरिया ने कहा कि मां भगवती की असीम कृपा से एवं महाकाल के सानिध्य में यह अनुष्ठान किया जाता है। जो भक्त घर पर एवं बाहर जाकर अपने गृह नक्षत्रों का उनके लिए यह अनुष्ठान निःशुल्क आयोजन समिति द्वारा किया जाता है। अनुष्ठान में चांदी के नाग नागिन, भगवान शिव पर अर्पित करके अपनी जन्म कुण्डलीर में कूर गृह शांति के लिए अनुष्ठान का समापन हुआ। इस अवसर पर विहिप के जिला मंत्री भूपेन्द्र सिंह गुर्जर, बजरंग दल के जिला सहसंयोजक पवन सिंह धाकड, संत गौ रक्षा उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष रामजी ठाकुर, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, रोहित परमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रुप से उपस्थित हुए बैरागढ के थाना प्रभारी कमलजीत सिंह रन्धावा ने परिवार सहित नुक्कड वाली माता मंदिर पर दर्शन किए एवं थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया ने मां भगवती का पूजन किया।

सुख सागर दरबार में हरि ओम नम शिवाय धुनी का समापन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सुखसागर उदासीन आश्रम में एक माह से चल रही 'हरिओम नम शिवाय एवं श्री शिवाय नमस्तुभ्यं' जाप का समापन हुआ। इस आश्रम के गद्दीशीन बाबा रामदास उदासीन आश्रम में श्रद्धालुओं द्वारा पंचामृत से शिवअभिषेक कर पूजा अर्चना की। बाबा रामदास ने भगवान शिव की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि भगवान शिव से बा इस दुनिया में कोई नहीं, शिव ही सत्य है, शिव ही सुंदर है। सत्यत, शिवम, सुंदरम। इस अवसर पर गुरु माता राधा देवी उदासीनए संतोष उदासीन, नानक उदासीन व बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस | भोपाल के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी काव्य प्रतिभा दिखाई

कविता प्रतियोगिता में नुसरत रहीं प्रथम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदराम गर्ल्स कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर काव्य लेखन प्रतियोगिता 'कलमकारी' का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल के कई महाविद्यालयों के 35 प्रतिभागियों ने काव्य पाठ किया।

प्रथम पुरस्कार नुसरत खान,संत हिरदाराम इंस्टिटयूट आफ मैनेजमेंट, द्वितीय पुरस्कार विकास मौर्य, कुशाभाऊ ठाकरे नर्सिंग कॉलेज, तृतीय पुरस्कार डियाना थॉमस ने प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार रिया जैम्स, आई.ई.एच.ई, विशेष पुरस्कार अवनि शर्मा, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज को दिया गया।

संत कॉलेज की प्राचार्या डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राओं को निरंतर मौलिक लेखन की ओर प्रोत्साहित करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की गई, क्योंकि वर्तमान में सोशल मीडिया के विस्फोटक युग में हमारी विचार प्रस्तुति मौलिक नहीं रह पाती। प्रतियोगिता की निर्णायक डॉ. प्रज्ञा रावत, जो साहित्य सुरभि अलकरण एवं वागेश्वरी से सम्मानित हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी परिपाटी में अपना नवीन कथ्य प्रस्तुत करें। डॉ. रेखा कस्तवार, वागेश्वरी एवं अभिनव शब्द शिल्पी सम्मान, राजेश्वरी दुष्यंत त्यागी सम्मान से सम्मानित, ने कहा कि हमें हर क्षण को जीना एवं उसका उत्सव मनाना आना चाहिए।उन्होंने सोशल मीडिया पर अच्छे बीज (कविता) डालने तथा लाइक्स पर ध्यान न देने कि सलाह दी।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. आकांक्षा अरोरा, आभार विभा खरे एवं संयोजन लिटरेरी कमेटी कि डॉ. नेहा गुप्ता द्वारा किया।

विकास को बल-गरीबों को संबल
देती मध्यप्रदेश की
डबल इंजन सरकार
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वीसी के माध्यम से)
राजमाता विजयाराजे सिंधिया
ग्वालियर एयरपोर्ट के
नए टर्मिनल भवन का
उद्घाटन
एवं
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजनांतर्गत
30,591 श्रमिकों को
₹678 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण
प्रात: 10:30 बजे । एयरपोर्ट ग्वालियर, मध्यप्रदेश
तथा
लोकार्पण
नवीन जिला न्यायालय भवन
अपराह्न 3:00 बजे
अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर, ग्वालियर
माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान
का नवीन भवन
सायं 4:30 बजे, एमआईटीएस, ग्वालियर
10 मार्च, 2024
आधुनिक सुविधाओं से लैस इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए ग्वालियर के नए टर्मिनल भवन का निर्माण। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, अयोध्या और इंदौर के लिए हवाई सुविधा का विस्तार, नए टर्मिनल से खुलेंगे विकास के नए द्वार
मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना में अब तक 5 लाख 25 हजार से अधिक श्रमिकों को दी गई ₹ 4900 करोड़ की अनुग्रह सहायता
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत अब तक कुल 48 लाख से अधिक हितग्राहियों को ₹ 3500 करोड़ की सहायता
मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से विवाह सहायता, कल्याणी सहायता, छात्रवृत्ति, अंत्येष्टि सहायता, उत्तम श्रमिक एवं श्रमिक साहित्य पुरस्कार जैसी योजनाओं का लाभ
RAJMATA VIJAYA RAJE SCINDIA TERMINAL GWALIOR
सीधा प्रसारण
http://pmindiawebcast.nic.in
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश शासन
D-11240/23

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 10 मार्च 2024 epaper.dopaharmetro.com

देश का मूड तय करते हैं फैशन के रंग, इन्हें कहां से देखें?

■ शेफाली वासुदेव

छ ह हफ्ते पहले, जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की गूंज के साथ देश का ज्यादातर हिस्सा नारंगी हो गया था, तब सवाल उठ रहे थे कि सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। सवालों में फैशन था। आखिर कोई घटना ऐसी हो सकती है, जिसमें फैशन न हो? दिमाग में यह सवाल उठा। एक समाजशास्त्री बेशक फैशन को रचनात्मक उद्योग न समझे और सामाजिक-सांस्कृतिक घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते वक्त इसे जरूरी भी न समझे, लेकिन राजनीति के लिए फैशन कोई नई चीज नहीं है। इसके पीछे एक लोकप्रिय संदेश छिपा होता है। ये घटनाएं ऐसी होती हैं कि अगर इनमें फैशन न ढूंढा जाए, तो वह अक्सर छिपा ही रह जाता है।

रंग फैशन का एक महत्वपूर्ण तत्व है। हम हर साल या हर मौसम में जिन रंगों को स्वीकार या अस्वीकार करते हैं, फैशन ही उन्हें निर्धारित करता है। फैशन के रंग दरअसल कोड की तरह होते हैं, जो किसी देश का मूड तय करते हैं। बात सिर्फ एक खास रंग की नहीं है, बल्कि हर तरह के राजनीतिक संदेश की है, जो ज्यादा लोगों तक फैशन के जरिये पहुंचाए जाते हैं। आने वाले चुनावों में भी राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया क्रिएटर्स के साथ विज्ञापनों इत्यादि पर भी लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाएंगे। ताकत और पैसे का भरपूर प्रदर्शन होगा।

कॉमनवेल्थ ऐंड कम्परेटिव पॉलिटिक्स में 2022 में प्रकाशित शोधपत्र में सिमोना विटोरिनी लिखती हैं, 'ऐसे समय में, जब राजनीति में किसी सर्वमान्य विचारधारा का अभाव है और उत्तर-आधुनिक विमर्श राष्ट्रवाद के नए स्वरूप को स्थापित कर रहा है, राजनीति काफी आकर्षक और व्यावसायिक हो गई है, नतीजतन न केवल लोकप्रिय वोटों को पाने के तरीकों में बदलाव आया है, बल्कि लोकप्रिय भावनाओं को संगठित करने और भुनाने के तरीके भी बदल गए हैं।'विटोरनी अपने शोधपत्र में आगे लिखती हैं, 'लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के तरीके और जनमत निर्माण की प्रक्रिया पहले जैसी पारंपरिक नहीं रही और केवल भाषण ही संवाद का जरिया नहीं है। अब कपड़ों के चयन, रंगों एवं अन्य माध्यमों से मतदाताओं के अवचेतन को प्रभावित किया जा रहा है।'

यहां मेरा मतलब किसी पार्टी या विचारधारा का विरोध या समर्थन करना नहीं है। निश्चित रूप से कोई राजनेता जब आइकन बन जाता है, तो उसकी हर बात फैशन स्टेटमेंट बन जाती है, चाहे वह खाना हो, पहनना हो या चलना। हमारे प्रधानमंत्री मोदी इसका बहुत अच्छा उदाहरण हैं। उनके पहनावे को लोगों, खासकर युवाओं द्वारा खूब अपनाया जा रहा है और इसमें कोई बुराई भी नहीं है। पर बड़ा मुद्दा यह है कि भारतीय फैशन जगत को इस अंधानुकरण से कैसे बचाएं एवं इसकी मौलिकता और रचनात्मकता को रंग, शैली या किसी भी राजनीतिक प्रभाव से कैसे बचाए रखें? बाजार के ट्रेंड से हटकर चलना और डिजाइन में राजनीतिक रंगों, स्टाइल और पैटर्न की नकल से बचना या फिर उसे कम-से-कम करना, वास्तव में चुनौती है।

किसी विचार को उन्माद बनने में समय नहीं लगता और फैशन के संबंध में भी यह बात उतनी ही सही है। यह निश्चित रूप से बराबर की तुलना नहीं है, लेकिन बहुत पुरानी बात नहीं है, जब बार्बी, जो एक मूवी थी, 'पिंक कल्ट' बन गई। जल्दी ही बार्बी एक गुड़िया से वॉलपेपर पैटर्न, केक और यहां तक कि कारों पर नजर आने लगी। विभिन्न उत्पादों की पैकेजिंग और उपभोक्ता उत्पाद, जैसे कि टूथब्रश, तौलिया सब 'बार्बीमय' हो गए और बाजार ने पिंक की एकरसता व एकरूपता को लंबे समय तक देखा।

ऐसे समय, जब उपभोक्ता को किसी उत्पाद या सेवा को सीधे खरीदने के लिए प्रेरित न कर कंपनियां व विज्ञापन एजेंसियां विभिन्न सर्वेक्षणों के माध्यम से उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बना रही हैं (ताकि उपभोक्ता को यह भ्रम हो कि उसने 'इनफॉर्म्ड चॉइस' ली है), कंप्यूटर के 'क्लिक' और मोबाइल के 'सिलेक्ट' बटन की ताकत को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में, फैशन-इंफ्लुएंसर्स, ब्लॉगर्स की महत्ता फैशन ट्रेंड सेट करने में और भी बढ़ गई है।

आज का दौर वास्तव में प्रचार और आक्रामक मार्केटिंग का है। दुनिया भर में फैशन से ज्यादा बड़ी मार्केटिंग रणनीतियां हो गई हैं और मूल उत्पाद से ज्यादा यह महत्वपूर्ण हो गया है कि कौन-सा सितारा उसका प्रमोशन कर रहा है और कहां इन्हें लॉन्च किया जा रहा है। भारत के संदर्भ में देखें, तो कला, शिल्प, वस्त्र, फैशन-सबकुछ चुनाव के विभिन्न पक्षों से प्रभावित होता दिखता है। ऐसे में, फैशन शो की विशेषता और प्रदर्शनियों की पहचान बनाए रखने के लिए फैशन जगत को वैसे थीम और उत्पादों से बचना चाहिए, जो किसी एक राजनीतिक पार्टी की विचारधारा को संपोषित करते हों।

वर्तमान भारतीय संदर्भ में रंगों का प्रभाव भी केवल वस्तुओं एवं उत्पादों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह राजनीतिक संदेश एवं राजनीतिक संबद्धता का भी परिचायक हो गया है। चाहे बात केसरिया की हो, या नीले की, या पीले की, या किसी अन्य रंग की- सब किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़े नजर आते हैं। केसरिया निश्चित ही ज्यादा प्रभावी एवं हर जगह नजर आ रहा है। लोगों में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है और फैशन जगत भी 'मांग एवं आपूर्ति' के सिद्धांत से अछूता नहीं है। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि भारतीय समाज समावेशी एवं धर्मनिरपेक्ष समाज रहा है और हमारे फैशन डिजाइनरों ने अपने रंगों, विषयों एवं आयोजनों में सूक्ष्म रूप से इन मूल्यों को संजोया एवं परिलक्षित भी किया है। रंग, डिजाइन और थीम किसी भी पोशाक को विशेषता प्रदान करते हैं और डिजाइनर डिजाइन के लिए कहीं न कहीं से प्रेरणा लेते ही हैं। जब सोशल मीडिया, टेलीविजन एवं अन्य दृश्य व श्रव्य माध्यम में एक ही तरह की विचारधारा का प्रचार-प्रसार हो एवं एक ही विषय-वस्तु की अधिकता एवं प्रभाव हो, तो डिजाइनर भी उससे अछूते नहीं रहते। अवचेतन मन पर वातावरण का प्रभाव तो पड़ता ही है और रचनात्मकता व मौलिकता के प्रभावित होने का भी खतरा रहता है। ऐसी स्थिति में अपनी मौलिकता को बचाए रखना एवं लीक से हटकर उन संदर्भों और विचारों पर आधारित वस्त्र डिजाइन करना, जो भेड़-चाल से अलग हो, और भी आवश्यक हो जाता है।

यह सही है कि भारत में अब भी अनिवार्य रूप से फैशन का मतलब पारंपरिक परिधानों के अति अलंकृत प्रस्तुति से लिया जाता है। लेकिन यह याद रखने का समय है कि यह वही उद्योग है, जो समावेशिता और विविधता के लिए खड़ा है। यह सामाजिक संदेश देने के लिए समय-समय पर नए तरीके खोजता है। भारत के डिजाइनर सीधे नहीं, बल्कि सुझाव के रूप में अपनी बात रखते हैं, रचनात्मक प्रतिभाओं के उभरते समूह में ऐसे दिमाग भी हैं, जो विषय, रूपांकन और प्रस्तुति में अंधानुकरण से बचते हैं। भारतीय डिजाइनरों ने देश की बहुलता, समरसता और धर्मनिरपेक्षता को समय-समय पर परिधानों एवं थीम के जरिये दर्शाया है। इसलिए फैशन जगत से अपेक्षा है कि वह इस चुनावी वर्ष में अपने मूल्यों को समेट कर मौलिकता के हिसाब से नए-नए परिधानों एवं उत्पादों को लाएगा और बाजार को राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बनने से बचाने की कोशिश भी करेगा।

(यह लेखक के विचार है।)

मनुष्य का विवेक धूमिल होता है गलतफहमी से

■ डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

क भी बुजुर्गों से सुना था कि ग़लतफ़हमी और शक ऐसी बीमारियां हैं, जिनका इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं था। तात्पर्य यह है कि ग़लतफ़हमी और शक ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियां हैं, जो अच्छे-भले आदमी का दिमाग खराब कर देती हैं और आदमी अपने विवेक को खो देता है।एक शायर ने ग़लतफ़हमी को लेकर बड़ा ही मौजू शे'र कहा है 'फ़ासले बढ़े, तो गलतफहमियां और भी बढ़ गईं,फिर उसने वो भी सुना,जो मैंने कभी कहा ही नहीं।'

मनोविज्ञान के विद्वान कहते हैं–'रिश्ते अक्सर अहंकार और ग़लतफ़हमी के कारण टूटते हैं, क्योंकि अहंकार सच सुनने नहीं देता और गलतफहमी सच देखने नहीं देती।' आज हमारे समाज में ग़लतफ़हमी की यह नकारात्मक प्रवृत्ति निरंतर बढ़ रही है और जरा-जरा सी बात पर हम अपने रिश्तों को तोड़ने पर आमादा हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति का परिणाम यह होता है कि समाज में अवसाद के साथ नैराश्य और अकेलापन घेर लेता है। आज इसी ग़लतफ़हमी पर एक बहुत ही प्रेरक और अर्थपूर्ण बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो अपने जिज्ञासु पाठकों से साझा कर रहा हूं।

'एक समय की बात है एक सन्त प्रातःकाल भ्रमण हेतु समुद्र के तट पर पहुंचे। समुद्र के तट पर उन्होंने एक पुरुष को देखा, जो एक स्त्री की गोद में सिर रखकर बेसुध सोया हुआ था ! उसके पास ही शराब की एक खाली बोतल पड़ी हुई थी। यह देखकर वे सन्त बहुत दुखी हुए। उन्होंने विचार किया कि यह मनुष्य कितना तामसिक और विलासी है, जो प्रातःकाल शराब पी कर, स्त्री की गोद में सिर रखकर प्रेमालाप कर रहा है। थोड़ी देर बाद ही समुद्र से 'बचाओ, बचाओ' की आवाज आई। उन सन्त ने देखा कि एक मनुष्य समुद्र में डूब रहा है। मगर स्वयं तैरना नहीं जानने के कारण उस समय सन्त देखते रहने के अलावा कुछ और नहीं कर सकते थे, इसलिए चुपचाप खड़े रहे। तभी उन्होंने देखा कि स्त्री की गोद में सिर रखकर कुछ देर पहले सोया हुआ व्यक्ति उठा और डूबने वाले व्यक्ति को बचाने हेतु पानी में कूद गया। थोड़ी देर में उस व्यक्ति ने डूबने वाले को बचा लिया और सकुशल किनारे पर ले आया।

अब तो वे सन्त सोच-विचार में पड़ गए कि इस व्यक्ति को 'बुरा' कहें या 'भला' कहें। संत उस व्यक्ति के पास गए और बोले, 'भाई ! तुम कौन हो और यहां क्या कर रहे हो?' उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'मैं एक मछुआरा हूं और मछली पकड़ने का काम करता हूं। आज कई दिनों बाद समुद्र से मछली पकड़ कर प्रातः जल्दी यहां लौटा हूं। मेरी मां मुझे लेने के लिए आई थी और घर में कोई दूसरा बर्तन नहीं होने के कारण इस शराब की बोतल में मेरे लिए पानी लाई थी। कई दिनों की समुद्र-यात्रा से मैं थका हुआ था और सुबह के सुहावने वातावरण में ये पानी पी कर, थकान कम करने के लिए अपनी मां की गोद में सिर रख कर, ऐसे ही सो गया था। जब डूबते व्यक्ति की आवाज़ सुनी, तो उसे बचाने समुद्र में कूद पड़ा।

यह सब जानकर सन्त की आंखों में आंसू आ गए। वे सोचने लगे, 'मैं कैसा पापी मनुष्य हूं। जो मैंने देखा, उसके बारे में मैंने कितना गलत विचार बनाया, जबकि वास्तविकता तो बिल्कुल अलग ही थी।' वे समझ चुके थे कि कोई भी बात, जो हम देखते हैं, वह हमेशा जैसी दिखती है, वैसी ही नहीं होती है। उसका एक दूसरा पहलू भी हो सकता है। इसलिए किसी के प्रति कोई निर्णय लेने से पहले सौ बार सोचना चाहिए और तब फैसला करना उचित होता है। ग़लतफ़हमी में लिया गया फैसला आदमी को लज्जित कर देता है और आदमी पछताने के सिवा कुछ नहीं कर पाता।'

संत कबीर ने तो सदियों पहले हमें खूब ठोक-पीट कर समझाया था :'करता था तो क्यों किया,अब करि क्यों पछताय।बोया पेड़ बबूल का,आम कहां से खाय।' आज की आवश्यकता यह है कि हम अपनी सारी नकारात्मक ऊर्जा को दूर फेंककर, सकारात्मक चिंतन को अपनाएं और समाज में फैलते जा रहे ग़लतफ़हमी के रोग से लड़ने का प्रयास करें। सच यह है कि पछतावे की आग की जलन वास्तविक आग से भी ज्यादा कष्ट देती है। आइए, हम संकल्प लें कि किसी के प्रति गलत विचार बनाने से पहले सौ बार सोचेंगे अवश्य, ताकि हमें पछताना न पड़े। **साभार**

प्रकृति की चिंता जरूरी

पर्यावरण संतुलन के लिए वन्यजीवों की रक्षा जरूरी

■ ललित गर्ग

अ पने स्वार्थ के लिए प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने में डूबे इंसान को अब यह अंदाजा ही नहीं रह गया है कि वह अपने साथ-साथ लाखों वन्य जीवों के लिए इस धरती पर रहना कितना दूभर कर दिया है। तथाकथित विकास एवं स्वार्थ के नाम पर धरती पर मौजूद संसाधनों का प्रबंधन और दोहन इस तरह से किया जा रहा है कि वन्य जीवों का अस्तित्व ही समाप्त हो रहा हैं। कितने ही पशु-पक्षियों की प्रजातियाँ विलुप्त हो चुकी हैं, तो कितनी विलुप्ती कगार पर हैं। दुनियाभर में तेजी से विलुप्त हो रहे वन्य पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं वन्यजीवों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तस्करी आदि अन्य खतरों पर नियंत्रण के उद्देश्य से विश्व वन्य जीव दिवस हर साल 3 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन लोगों को जंगली वनस्पतियों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के फायदे बताकर जागरूक किया जाता है और वन्यजीव अपराध और वनों की कटाई के कारण वनस्पतियों और जीवों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आह्वान किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर 2013 को, अपने 68वें अधिवेशन में वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं वनस्पति के लुप्तप्राय प्रजाति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल विश्व वन्यजीव दिवस मनाने की घोषणा की थी। महासभा ने वन्यजीवों के पारिस्थितिकी, आनुवांशिकी, वैज्ञानिक, सौंदर्य सहित विभिन्न प्रकार से अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने को प्रेरित किया। विभिन्न जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अस्तित्व की रक्षा भी इसका उद्देश्य कहा जा सकता है। इस दिवस की शुरुआत थाईलैंड में हुई थी।

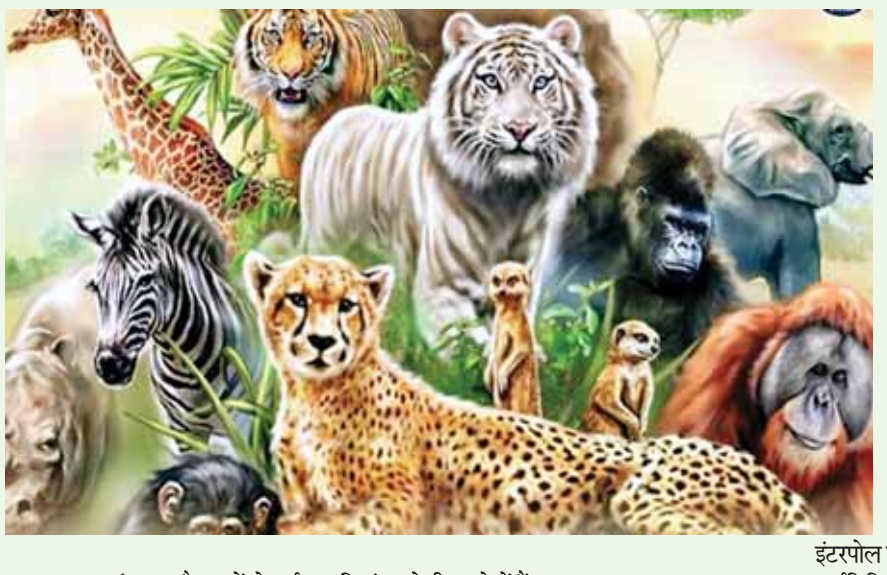

विश्व वन्यजीव दिवस मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों से हमें भोजन तथा औषधियों के अलावा और भी कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। इसमें से एक है वन्यजीव जलवायु संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं। वन्यजीव मानसून को नियमित रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों की पुनःप्राप्ति में सहयोग करते हैं। पर्यावरण में जीव-जंतु तथा पेड़-पौधों के योगदान को पहचानकर तथा धरती पर जीवन के लिए वन्यजीवों के अस्तित्व का महत्व समझते हुए हर साल विश्व वन्यजीव दिवस अथवा वर्ल्डवाइल्ड लाइफ डे मनाया जाता है। वन्य जीवों के सामने तस्करी के अलावा अन्य अनेक खतरे हैं। अब इन वन्य जीवों में 'फॉरएवर केमिकल्स' पाये जाने से इनका जीवन लुप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। वैज्ञानिकों को ध्रुवीय भालू से लेकर बाघ, बंदर और डॉलफिन जैसी मछलियों की 330 वन्यजीव प्रजातियों में 'फॉरएवर केमिकल्स' के पाए जाने के सबूत मिले हैं। जो दर्शाते हैं कि इंसानों द्वारा बनाया यह केमिकल न केवल पर्यावरण बल्कि उसमें रहने वाले अनगिनत जीवों के शरीर में पहुंच चुका है और उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। इनमें से कई प्रजातियां पहले ही खतरे में हैं।

यूरोप, अफ्रीका, एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में मछलियों और अन्य जलीय जीवों में यह फॉरएवर केमिकल मिले हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक चूंकि यह केमिकल्स आसानी से नष्ट नहीं होते ऐसे में यह लम्बे समय तक वातावरण में मौजूद रहते हैं। इतना ही नहीं यह वातावरण के माध्यम से लंबी दूरी तक भी जा सकते हैं। इसका मतलब है कि दुनिया के सुदूर क्षेत्रों में जो जहां जीव अभी भी औद्योगिक स्रोतों से दूर है जैसे अंटार्कटिका में पेंगुइन या आर्कटिक में ध्रुवीय भालू भी इन हानिकारक केमिकल्स के चपेट में आ सकते हैं। अन्य शोधों से पता चला है कि इन हानिकारक केमिकल्स के संपर्क में आने से वन्यजीवों को भी इसी तरह नुकसान हो सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह संभावित स्वास्थ्य समस्याएं लुप्तप्राय या संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए विशेष रूप से चिंता का विषय हैं, क्योंकि उन्हें अब अपने अस्तित्व के लिए अन्य खतरों के साथ-साथ इन हानिकारक रसायनों से भी जूझना पड़ रहा है।

'फॉरएवर केमिकल्स' की ही भांति वन्यजीवों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तस्करी के कारण भी वन्य जीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। पिछले कुछ सालों में तस्करों के अंतरराष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क एवं गिरोहों के कारण वन्यजीवों की तस्करी बड़ी है। लम्बे समय से यह जरूरत महसूस की जा रही है कि वन्यजीव और इनके अंगों के तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने का काम तेजी से होना चाहिए। लेकिन, यह काम आगे नहीं बढ़ पाया। वन्यजीवों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तस्करी को रोकने के लिए भारत समेत पांच देशों की सामूहिक रणनीति से काम करने की पहल को सकारात्मक ही कहा जाएगा। तस्करी के कारण जिन देशों में वन्यजीव खतरे में नजर आते हैं, वहां समन्वय की कमी भी एक कारण माना जाता है। इसकी वजह से यह गैरकानूनी काम बेरोकटोक होता रहा है। आमतौर पर तस्करी के जरिए दूसरे देश से ऐसे वन्यजीव लाए जाते हैं, जो स्थानीय जंगल में नहीं मिलते। भारत ने हाल ही में बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया के विशेषज्ञों के साथ मिलकर दो दिन तक इस संकट पर गहन मंथन भी किया है। इन देशों ने वन्यजीवों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा तंत्र विकसित करने की योजना बनाई है। यह तंत्र इन देशों में वन्यजीवों की बरामदगी के प्रकरणों का विश्लेषण करेगा। साथ ही तस्करों के नेटवर्क की पहचान कर इसे इंटरपोल की मदद से तस्करों के वित्तीय प्रवाह के तंत्र को तोड़ने का काम भी करेगा। यह सर्वविदित बात है कि वन्यजीवों की तस्करी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा नेटवर्क सक्रिय है, जिसके ज्यादातर उन देशों में अपने संपर्क हैं, जिनके सहयोग से संरक्षित श्रेणी के वन्यजीवों की तस्करी एक देश से दूसरे देश में की जाती है। जहां इन वन्यजीवों की मांग होती है, उन देशों से ये तस्कर मोटी कमाई भी करते हैं। यह तथ्य भी सामने आया कि इन दिनों वन्यजीवों की तस्करी के लिए वायु मार्ग प्रमुख माध्यम बन गया है। इन जीवों को अफ्रीकी देशों से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में लाया जा रहा है। वहां से इन्हें चीन व भारत में भेजा जा रहा है।

पूर्णाहुति, भंडारे के साथ हुआ सात दिवसीय महा शिवपुराण का समापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शनिवार को नर्मदा घाट के ग्राम पापन में शिवपुराण एवं यज्ञनारायण भगवान की पूर्णाहुति के साथ बड़े ही धूमधाम ओर उत्साह के साथ हुआ। गांव के ललित पटेल गुर्जर ने बताया यह कार्यक्रम हमारे क्षेत्र की उन्नति एवं सुख शांति के लिए कराया गया है ऐसा ही सत्संग भागवत कथा निरंतर चलती रहे। आश्रम के महंत बाबा उदासीन महाराज ने बताया की इस नर्मदा घाट का विषय गुप्त हैं इसका लेख शास्त्र में दर्शाया गया है यह घाट पर स्नान करने से पीड़ित व्यक्ति को तुरंत मां की कृपा होती है इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक प्रेमशंकर वर्मा एवं जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष प्रतिनिधि शंभू सिंह भाटी जिला पंचायत सदस्य अजीत मंडलोई महिला संगठन की तहसील अध्यक्ष अंजू गौर रहटगांव लालसिंग सोलंकी पूर्व जनपद, हरिओम दायमा जनपद सदस्य सहित अन्य लोग उपस्थित थे। विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा इस घाट पर सार्वजनिक शौचालय एवं घाट निर्माण कार्य बहुत जल्दी विधायक निधि से शुरू होने का पूर्ण आश्वासन दिया। साथ ही शंभू सिंह भाटी एवं अजीत मंडलोई द्वारा कहा गया जो भी इस घाट के लिए हम लोग से मदद बनेगी हम लोग हमेशा अपना सहयोग बनाए रखेंगे। संगठन जिला अध्यक्ष ललित पटेल गुर्जर ने बताया 1 मार्च से आज 9 मार्च अंतिम दिवस तक श्रद्धालु भक्तों का निरंतर भंडारा चलता रहा निरंतर शिव पुराण कथा में अनेक झांकियां दर्शाई गई एवं शिव पुराण कथावाचक बालब्यास महाराज द्वारा बताया गया की सभी भक्तों ने कार्यक्रम की भूमिका सभी क्षेत्रवासी सभी वरिष्ठ जनों की रही कार्यक्रम के मुख्य यजमान मनमोहन रघुवंशी सिवनी पंडित शैलेंद्र रामस्वरूप कीर विश्वनाथ सिंह सोलंकी ग्राम सरपंच पूजा , अनार सिंग कुशवाह कृष्णचंद्र रामस्वरूप पटेल बलराम रितेश रामरतन किर अजय इवने रामविलास केशव मंडलोई सहित अन्य क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

भाजपा - कांग्रेस सहित अन्य दलों में दिनभर होती रही चर्चा

कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए पचौरी को बनाया जा सकता है लोकसभा उम्मीदवार..?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे सुरेश पचौरी ने शनिवार को अपनी वर्षों की राजनीतिक तपस्थली कांग्रेस को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है. उनके दल बदलने के इस आचरण को देखते हुए कांग्रेस और भाजपा के प्रबुद्ध कार्यकर्ता कुछ अलग तरीके से वैचारिक मंथन में लग गए हैं. कार्यकर्ताओं का कहना है कि सुरेश पचौरी को होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा का प्रत्याशी बनाया जा सकता है. क्योंकि ऐन लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का इस तरह भाजपा में शामिल हो जाना किसी खास समीकरण को जन्म देने वाली बात हो सकती है.

इधर भाजपा नेताओं का मानना है कि भाजपा द्वारा देश के जिन प्रत्याशियों को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में चयनित किया गया है उन में होशंगाबाद नरसिंहपुर क्षेत्र से किसान नेता दर्शन सिंह चौधरी का नाम शामिल है. ऐसे में दर्शन सिंह की जगह सुरेश पचौरी को इस संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने वाली बात किसी के गले नहीं उतर सकती है।

एक किसान नेता जो कभी सरपंच तक का चुनाव नहीं लड़ा उसे संसदीय क्षेत्र का उम्मीदवार घोषित कर देना पार्टी के लिए मुश्किल एवं चुनौती पूर्ण हो सकता है.

कांग्रेस से भाजपा में आए सुरेश पचौरी को लेकर भी लोगों की एक राय नहीं है. सुरेश पचौरी कभी कोई चुनाव नहीं जीते. कांग्रेस के शासनकाल में राज्यसभा सदस्य रहते केंद्रीय मंत्री रहे सुरेश पचौरी भोपाल से लोकसभा चुनाव एवं भोजपुर से विधानसभा का चुनाव हार चुके हैं।

कांग्रेस से भाजपा में आने का पचौरी का समीकरण चाहे जो भी हो लेकिन उनका इस तरह आगमन किसी खास मकसद की ओर अवश्य इशारा कर रहा है।

भाजपा के घोषित प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी को बदलकर उनके स्थान पर किसी अन्य प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव के लिए होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र से घोषित कर देना भी भाजपा के लिए मुसीबत बन सकता है. संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी घोषित होते ही दर्शन सिंह चौधरी ने होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र में यहां वहां जाना शुरू कर दिया है. गत दिवस होशंगाबाद और इटारसी क्षेत्र में उनका व्यापक स्तर पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया. ऐसे में उनको बदलकर किसी अन्य को टिकट देना कार्यकर्ताओं की भावनाओं पर कुठाराघात हो सकता है।

नर्मदा कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, व्याख्यान, परिचर्चा व अन्य कार्यक्रम हुए

विकसित भारत के लिए सकारात्मक भूमिका वाली महाशक्ति है महिला: डॉ. चौधरी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा कॉलेज में शनिवार को महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें व्याख्यान, परिचर्चा और अन्य कार्यक्रम किए गए। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ सविता गुप्ता ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा की यह दिन महिलाओं की हर क्षेत्र में भागीदारी को याद करने का खास दिन है। महिलाएं अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक बनें ,प्रतिदिन स्वयं को अपडेट रखें और आत्मनिर्भर बनें। प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय चौधरी ने इस अवसर पर महिला प्राध्यापकों को शुभकामनाएं और बधाई दी।

उन्होंने महिलाओं को विकसित भारत के लिए सकारात्मक भूमिका वाली महाशक्ति बताया।साथ ही यह भी कहा कि इसरो से लेकर स्टार्टअप, उद्यमिता, कारपोरेट, मीडिया और रक्षा के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के व्यक्तित्व और उदाहरण प्रस्तुत किए। विशेष व्याख्यान में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अमिता जोशी ने महिलाओं को सृष्टि की निर्माता बताते हुए कहा कि सहनशीलता, समझौता, दया, महानता स्त्री के नैतिक रूप हैं। इन्हें उसकी कमजोरी नहीं कहा जा सकता। अतः अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए स्वाभिमान, आत्म सम्मान की रक्षा करें, स्वावलंबी बने, बेटियों के साथ बेटों को भी अनुशासित जीवन जीने की समझाइश दें। ताकि समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना हो सके। कार्यक्रम का संचालन और आभार डॉ अंजना यादव ने किया।कार्यक्रम में डॉ कमल चौबे,डॉ ईरा वर्मा,श्रीमती जय श्री नंदनवार, श्रीमती रागिनी मालवीय ,डॉ नीलू दुबे, डॉ मीनाक्षी ठाकुर, शबनम कुरैशी, मंजुला भूमरकर,मनीषा दुबे, मेघा रावत ,रीनू वर्मा, रेणुका ठाकुर प्रियंका राय, सुरभि भट्ट, तृप्ति पाराशर, सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहीं।

13 मार्च को होगी विराट ईनामी घेरा बाजी गम्मत प्रतियोगिता

होली फाग संस्कृति को बनाए रखने के लिए संकल्पित है जागृत हिंदू संस्कृति रक्षक मंच

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

होली एवं फाग महोत्सव पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद जागृत हिंदू संस्कृति रक्षक मंच 13 मार्च को जयस्तंभ चौक की वाहन पार्किंग मैदान पर विराट ईनामी घेरा बाजी गम्मत प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर ने बताया की हिंदू संस्कृति एवं हमारे उत्सवों को विशालता भव्यता पोषित करने हेतु जागृत हिंदू संस्कृति रक्षक मंच द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते रहे हे। इसी श्रृंखला में भारतीय संस्कृति में होली फाग माह का विशेष महत्व है फाग के घेरे मंडलों को विशेष स्थान मिले 13 मार्च को दिन बुधवार रात्रि 8 बजे से

स्थानीय जय स्तंभ चोक वाहन पार्किंग मैदान पर विशाल इनामी घेरा बाजी प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है जिसमे प्रदेश के नामी घेरा मंडल फाग गीत भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी जाएगी।

प्रतियोगिता कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान विश्व हिंदू परिषद जागृत हिंदू संस्कृति रक्षक मंच के शिव राठौर माखन दादा मालवीय नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन महेश गोयल अजय सिंह ठाकुर अजीत सिंह राजपूत दीपक पालीवाल शैलेंद्र गोर अमित पालीवाल प्रवीण अवस्थी सनुप सिंह यदुवंशी राजू राय निलेश राठौर गुलाब सिंह लोवंशी डा सौरभ रघुवंशी नरेंद्र योगी सतीश बकोरिया भुरू बग्गन मंगल सिंह राजपूत विजय सिंह कीर तरूण सुनानिया रविंद्र छिरेले विनोद रघुवंशी रामसिंह यादव दीपक रघुवंशी निक्की राठौर हरीश दुबे जानी नागले अशोक कुचबंदिया आदि ने किया है।

कलेक्टर ने किया रेशम परिसर पचमढ़ी का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर ने पचमढ़ी में स्थित देश के एकमात्र सिल्क टेक पार्क का शनिवार 09 मार्च 2024 को निरीक्षण किया। पचमढ़ी सिल्क टेक पार्क देश में एकमात्र केंद्र है जहां पर मलबरी, तसर, इरी, मूंगा इन चारों प्रकार के रेशम का उत्पादन होता है।

इस दौरान उन्होंने 2 किलोमीटर के सिल्क ट्रैक जो की सिल्क टेक पार्क में स्थित है वहां पर चारों प्रकार के रेशम निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का बारीकी से निरीक्षण किया एवं वहां पर मौजूद रेशम से निर्मित उत्पादों का तथा सिल्क टेक पार्क में चल रहे मूंगा एवं मलबरी रेशम कृमिपालन का भी अवलोकन किया। उन्होंने पचमढ़ी सिल्क टेक पार्क को मध्य प्रदेश टूरिस्ट सर्किट से जोड़ा जाने एवं यहां पर आने वाले टूरिस्ट को इसकी सजीव अनुभूति हो सके इसके लिए सिल्क गाइड की व्यवस्था करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया तथा रेशम वस्त्रों में नवीन पैटर्न तैयार करने के संबंध में भी विशेष दिशा निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि पचमढ़ी में उत्पादित रेशम के कीट/बीज की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि कीट/बीज उचित गुणवत्तायुक्त होगा तो प्रदेश के किसानों को इसका अधिक लाभ प्राप्त होगा। निरीक्षण के दौरान पचमढ़ी सिल्क टेक पार्क के प्रक्षेत्र अधिकारी रविशंकर सिंह राजावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया तथा केंद्र के अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो

क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित

सम्पूर्ण पचमढ़ी क्षेत्र हमारी धरोहर स्थल है: कलेक्टर

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

पचमढ़ी पूरे देश ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए एक विशेष पहचान रखता है, संपूर्ण पचमढ़ी क्षेत्र हमारे लिए एक धरोहर स्थल है इसके

विकास के लिए राजस्व, वन, पर्यटन, साडा, केंट आदि विभागों तथा स्थानीय लोगों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। इसके लिए एक जॉइंट फोरम का गठन करें जिससे स्थानीय स्तर के मुद्दों तथा विकास आदि कार्यों पर रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने पचमढ़ी में तहसील कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा केंद्र एवं राज्य द्वारा पर्यटन तथा क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण एवं जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। पचमढ़ी में उनके क्रियान्वयन के लिए स्थानीय प्रशासन तथा साडा एवं अन्य विभागों को बेहतर आपसी तालमेल के साथ कार्य करना पड़ेगा।

पचमढ़ी में सीएम राइस स्कूल भवन निर्माण के लिए अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया को छावनी परिषद पचमढ़ी एवं साडा से आपसी समन्वय कर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करवाने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही साथ पचमढ़ी स्थित शासकीय महाविद्यालय भवन के विषय पर कलेक्टर द्वारा विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए महादेव मेला में श्रद्धालुओं को दी जाने वाली सुविधाओं की भी समीक्षा की एवं आने वाले दिनों में उन सुविधाओं को और भी बेहतर बनानें के संबंध में अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए। इसी के साथ कलेक्टर द्वारा पचमढ़ी

पहुंच मार्ग एवं क्षेत्र की अन्य सड़कों का सुधार कार्य गुणवत्ता पूर्ण तरीके से करवाने के लिए तथा आवश्यकता पड़ने पर कुछ स्थानों पर पेवर ब्लॉक का कार्य भी करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।उन्होंने पचमढ़ी क्षेत्र में अवैध तरीके से अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करने के लिए एसडीएम पिपरिया को निर्देशित किया है। विद्युत व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संपूर्ण क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था के लिए जो भी आवश्यक कार्य हैं जिसमे 33 केवी विद्युत लाइन से संबंधित कार्य भी हैं उनको यथाशीघ्र एवं नियम अनुसार क्रियान्वित करे।

कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि पचमढ़ी में पर्यटन का मुख्य आकर्षण यहां का प्राकृतिक सौंदर्य है इसकी रक्षा करने के लिए एवं इसमें वृद्धि के लिए हम सभी को साथ मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से वृक्षारोपण के लिए विशेष अभियान चलाएं एवं स्थानीय लोगों को जागरूक करें। साथ ही साथ संपूर्ण क्षेत्र में स्वच्छता आदि समुचित व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया, कमल धूत पूर्व अध्यक्ष साडा आदि उपस्थित रहे।

रिहायशी इलाके में भूसा भंडारण से जानमाल को खतरे की आशंका

स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत के संकेत, नहीं होती कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भूसा का परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा है भूसा व्यापारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में भूसा एकत्रित कर बड़े-बड़े ट्रकों में भरकर बाहर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है जिसकी और स्थानीय प्रशासन नाक के नीचे से धड़ल्ले से यह कार्य चल रहा।

सिरोंज के नगरीय क्षेत्र के आसपास भूसा व्यापारियों द्वारा लाखों टन भूसे का भंडारण किया जा रहा है बिचौलियों के माध्यम से व्यापारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से भूसा खरीद कर रिहायशी इलाकों में भंडार कर रहे हैं ताकि आने वाले समय में ऊंचे दामों पर भूसा बेचकर लाखों रुपए की गाढ़ी कमाई का जरिया बना हुआ है।

स्थानीय प्रशासन या संबंधित अधिकारी भंडारण पर निरीक्षण नहीं करते हैं ना ही किसी तरह का कोई नियम कानून का पालन किया जा रहा है जिससे बड़ा हुआ था हादसा हो सकता बीते , वर्ष पहले पहले सिरोंज से लगभग 12 किलोमीटर दूरी पर कुरवाई पथरिया के पास रोड पर स्थित, भूसे के भंडारण में,आग लग गई थी जिसके चलते आग ने इतनी भयंकर रूप ले लिया कई वक्त के लिए आवागमन बंद कर दिया गया था क्योंकि यह घटना उस जगह हुई जहां रोड से लगभग 20 फीट दूर भूसा का भंडारण किया हुआ था इतना ही नहीं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी डर का माहौल देखा गया था क्योंकि आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में घनी आबादी भी मौजूद है वही वेयर हाउस भी बना हुआ है,

कई घंटे तक आग पर काबू करने की कोशिश की लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया और भूसे के ढेर पर आग जलती रही कई जगह से फायर ब्रिगेड बुलाई गई और स्थानीय प्रशासन और पुलिस वहां पर मुस्तैदी से मौजूद रहे

भूसा परिवहन से मवेशियों को भूखा मरन, मार सकते हैं यदि सिरोंज क्षेत्र का भूसा बाहर जाएगा तो यहां के मवेशियों को दिक्कत हो सकती है इतना ही नहीं कई गौशालाएं भूखा नहीं है।

इनका कहना है

जिले से जैसे आदेश मिलेंगे भूखा परिवहन रोकने बिल्कुल रोका जाएगा एवं ओवरलोड वाहनों से ट्रैफिक में दिक्कत होती है उसके लिए भी पुलिस वह हमारी टीम संयुक्त कार्रवाई करेगी

***हर्षल चौधरी,** एसडीएम*

भूखा, भरे वाहनों से ट्रैफिक में दिक्कत तो होती है इसीलिए हमने भूखा भरे हुए वाहनों सिटी के अंदर ना लाएं नहीं तो हम कार्रवाई करेंगे।

***रितेश ,** सूबेदार ट्रैफिक पुलिस*

एलबीएस कॉलेज में मनाया गया महिला दिवस, खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे चेयर रेस, लंबी दौड़, 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिला एन जी ओ प्रभारी लक्ष्मी शर्मा ने विद्यार्थियों को महिला दिवस का महत्व स्पष्ट करते कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए महिलाओ का शिक्षित होना अति आवश्यक है।

मंडल की उपाध्यक्ष सोनाली शेवडे सुधा ठाकुर ने विद्यार्थियों को महिला दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी । प्रो पाल ने सभी महिलाओं को शसक्त बनाने और नारी शक्ति पर अपने मजबूत विचार व्यक्त किए कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर साधना कुमारी ने किया आभार प्रो निधि मसीह ने आभार व्यक्त किया। वहीं प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर आर के वाखला ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर आर के वाखला ने महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समस्त स्टॉफ एवम विद्यार्थियों को शुभाकनाएं दी । नारी सशक्तिकरण और महिला दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में डॉक्टर उरूज अहमद, डॉक्टर वसीम खान, एनएसएस प्रभारी प्रो महेश परमार, प्रो किरण वंसीवाल, प्रो कल्पेश चैधरी समस्त स्टॉफ एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राए आदि उपस्थित रहे।

62 वर्षीय महिला ने अपने घर में लगाई फांसी

सिरोंज। दीपनाखेड़ा थाना अंतर्गत गांव में ही रहने वाली 62 वर्षीय गुड्डी बाई वाल्मीकि ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी अनुल प्रताप सिंह पहुंचे उन्होंने शब को फंदे से उतरवाकर पंचनामा बनवाया इसके बाद पीएम के लिए लाश को सिरोंज के शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय लाया गया इसके बाद सब को परिजनों को सौंप दी जिस समय महिला ने फांसी लगाई थी वह घर में अकेली थी घर वाले फसल काटने के लिए खेत पर गए हुए थे । मर्ग कायम करके पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

पटेल की अनूठी पहल, जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्षों से किया सीधा संवाद, मांगे सुझाव

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे लाभ, तभी होगा ग्रामीण विकास: प्रहलाद पटेल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राज्य शासन पारदर्शिता और सकारात्मक व्यवस्था के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में जन कल्याणकारी निर्णय लेना और उनका समय सीमा में क्रियान्वयन कराना हमारी कार्य नीति की प्राथमिकता बन चुका है। प्रशासनिक गतिरोध दूर कर, योजनाओं का लाभ जब समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा तभी सही मायने में ग्रामीण विकास होगा। यह बात पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उनके निज निवास में संवाद कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों से मंत्री श्री पटेल ने प्रथम संवाद व भेंट की। इस दौरान विधायक भगवान दास सबनानी, सागर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, जिला भाजपा उपाध्यक्ष सागर देवेंद्र फुस्केले, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संचालक सह आयुक्त केदार सिंह, मनरेगा आयुक्त चेतन आनंद, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों द्वारा प्रशासनिक अवरोध दूर करने तथा विकास के कार्यों में सुगमता लाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

मंत्री श्री पटेल ने जन-प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को सुना एवं उन्हें आश्वासन दिया कि उनके द्वारा दिए गए सुझावों को अमल में लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी ने अपने अधिकारों की बात कही लेकिन समाज के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है कि हम अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों की भी बात करें।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पंचायती राज अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वे दो दिवस की कार्यशाला का आयोजन लोकसभा चुनाव के बाद करेंगे। इस कार्यशाला में व्यापक रूप से जमीनी स्तर पर विकास को पहुंचाने के लिए विस्तृत चर्चा की जाएगी।

हमें पंचायत राज अधिनियम के अधिकार दिए जाएं: राजपूत

संवाद कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए जिला पंचायत संघ के अध्यक्ष एवं सागर जिला पंचायत के अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए पंचायती राज अधिनियम 1994 के तहत हम सभी निर्वाचन प्रतिनिधियों को अधिकार दिए जाएं जिससे प्रदेश की विकास में हम अपना योगदान दे सकें ।

जिला पंचायत उपाध्यक्षों ने भी मांगा राज्य मंत्री का दर्जा

जिला पंचायत उपाध्यक्ष संघ की ओर से सागर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ठाकुर ने अपनी मांग तथा सुझाव देते हुए कहा कि जिला पंचायत उपाध्यक्षों को भी पूर्व की भांति राज्य मंत्री का दर्जा वापस दिया जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्षों को संपूर्ण कार्य क्षेत्र में विकास करने के लिए 2.50 करोड़ की वार्षिक विकास निधि प्रदान की जाए, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष को जिला योजना समिति का सदस्य माना जाए तथा जिला पंचायत खनिज प्रतिष्ठान मद में भी सदस्य माना जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्ष का मासिक मानदेय एवं क्षेत्रीय भ्रमण और अन्य भत्ते मिलाकर 75000 किया जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्ष को जिला मुख्यालय में जिला पंचायत अध्यक्षों की तरह आवास सुविधा और कार्य की दृष्टि से स्थायी निज सचिव प्रदान किया जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्ष को क्षेत्र की जरूरत और नागरिक की सहायता हेतु 25000 की स्वैच्छिक सहायता निधि का प्रावधान किया जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्ष को स्थाई समिति के सचिव का चरित्र प्रमाण पत्र लिखने का अधिकार भी प्रदान किया जाए, जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्थाई समिति शिक्षा समिति का सभापति भी होता है इसलिए इस समिति के अंतर्गत आने वाले समस्त विभागों में कार्य जिले के अधिकारियों कर्मचारियों के स्थानांतरण, शाखा वितरण एवं प्रत्युक्ति में एवं प्रतिनियुक्ति में जिला पंचायत उपाध्यक्ष की अनुशंसा आवश्यक रूप से शामिल की जाए।

यह है जिला पंचायत अध्यक्षों की मांगे

पंचायत मंत्री को सौंपी गई मांगों में जिला पंचायत अध्यक्ष को राज्य मंत्री का दर्जा देने के बाद भी प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो रहा है जिसके संबंध में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं, जिले में 50 लाख प्रति विधानसभा के मान से जिला पंचायत अध्यक्षों को राशि प्रदान की जावे, जिससे जिले में भ्रमण के समय मांग के अनुसार विकास कार्य सूचित किया जा सके, जिला पंचायत के अधीन आने वाले विभागों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय नियंत्रण जिला पंचायत में समाहित हो तथा अध्यक्ष के अनुमोदन पर ही गतिविधियों का क्रियान्वन किया जाए, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की सीआर लिखने का अधिकार अध्यक्ष के पास निहित हो, जिला पंचायत में पदस्थ सीईओ, एपीओ तथा ऐसे अधिकारी जिनकी नियुक्ति शासन द्वारा की गई है और वह जिला पंचायत में कर रहे थे उनके वेतन भत्ते राज्य शासन द्वारा नियमित रूप से दिए जाएं, ग्रामीण विकास विभाग में कार्यरत जिले के सभी तृतीय वर्ग श्रेणी के कर्मचारियों के स्थानांतरण एवं कर्मचारियों की रिक्त पदों पर पदोन्नति तथा सीधे भरने का अधिकार जिला पंचायत को सौंप जाए , प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर राज्य सरकार के मंत्री द्वारा राष्ट्रीय पर्व पर ध्वजारोहण नहीं करने की स्थिति में उन जिलों में जिला पंचायत अध्यक्षों को ध्वजारोहण करने हेतु अधिकृत किया जाए, जिला पंचायत अध्यक्ष का परिचय पत्र सांसद, विधायक की तरह जारी कर मान्यता प्रदान की जाए, सभी जिला पंचायत अध्यक्षों की आवास एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मेट्रो एंकर बीमा नहीं होता, परिवार को नहीं मिलता कोई मुआवजा

जान जोखिम में डालकर आउटसोर्स कर्मचारी कर रहे बिजली काम, हो चुकी हैं कई दुर्घटनाएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विद्युत विभाग कंपनी में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी जान में जोखिम में डालकर बिजली का कार्य कर रहे हैं जिम ट्रांसफार्मर व खाम में केवल बदलना लाइट का फाल्ट होना व ट्रांसफार्मर बदलने बदलकर दुरुस्त करना बारिश के मौसम में बेजीचक बेधड़क होकर जिम्मेदारी निभा रहे हैं लेकिन उन कर्मचारियों का ना तो बीमा रहता है ना ही कंपनी से कोई अनुबंध रहता है यदि कोई दुर्घटना का शिकार हो जाए तो उसके परिवार को कोई मुआवजा राशि नहीं मिलती इतना ही नहीं ऐसे कई मामले आए दिन सामने आते रहते हैं लेकिन विभाग कोई ध्यान नहीं लेता वहीं ठेकेदार पर मामला डालकर रफा दफा हो जाता है। वही इस विश्वसनीय सूत्रों से मेरी जानकारी के अनुसार लाइनमैन हमेशा आउटसोर्स कर्मचारी से ही काम करते हैं वह खंबे पर नहीं चढ़ते।

हालांकि जो लाइनमैन परमानेंट है उनके लिए भी विभाग द्वारा कोई पुख्ता सामग्री नहीं दी जाती ना ही उन्हें कभी प्रशिक्षण वी सम्मानित नहीं किया जाता हालांकि एयर कंडीशन में बेटे अफसर को मोटी सैलरी मिलती है मैं फोन पर ही डायरेक्शन देते हैं बहुत कम फील्ड में जाते हैं वही लाईनमैनों को कोई किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं देते किस तरह से कार्य करना है

लाइनमैन दिवस बिजली वितरण कंपनी के । इसमें सभी लाइन मैन को सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ थी उनका, एवं सम्मान किया। जाना था वही लाइनमैन सार्वजनिक सेवा की प्रमुख कड़ी होते हैं। उनके बगैर बिजली प्रदाय की कल्पना नहीं की जा सकती। किसी के घर में रात को अंधेरा न रहे, इसके लिए वह एक सूचना पर मुस्तैदी से सेवाएं देते हैं। वही जोखिम भरा है। छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। वही पिछली घटनाओं से सबक लेना चाहिए। इसलिए इस जोखिम भरे कार्य को पूर्ण करने के लिए विभाग से सुरक्षा के उपकरण दिए जाएं।

वही लाइन मैन ने बताया कि उनको हेल्मेट का उपयोग करना है। हाथों में दस्ताने पहनने नहीं मिलते बाद ही कार्य करते हैं लेकिन हम पूरी जिम्मेदारी से कार्य करते हैं। वही जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्र में लगभग 8 लाइनमैन है बाकी आउटसोर्स वहीं ग्रामीण क्षेत्र में तीन लाइन मैंने बाकी आउटसोर्स कर्मचारी काम करते हैं इन्हीं के भरोसे पूरी विद्युत सप्लाई चल रही है।

इनका कहना है

जिले स्तर पर लाइनमैन दिवस मनाया गया है यहीं से कुछ लाइनमैन गए थे जिनका सम्मान हुआ है सिरोंज में नहीं मनाया गया

***सुनील समेले ,** एई विद्युत विभाग कंपनी*

बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के पांचों प्रखंडों के संयोजक की हुई बैठक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को बजरंग दल विश्व में हिंदू परिषद के पांचो प्रखंड संयोजकों की बैठक पालीवाल होटल में हुई । जिसमें संयोजक प्रांत अवधेश तिवारी बैठक को संबोधित करते बजरंग दल के कार्यकाल के बारे में बताएं संगठन किस तरीके से काम करता है उसका उद्देश्य क्या है उसके बारे में विस्तार से बताया बजरंग दल की स्थापना कब हुई थी हिंदुओं को अपने हित की बात करने हेतु एक मंच की आवश्यकता थी सभी हिंदू संगठनों ने मिलकर जन्माष्टमी 1964 को विश्व हिंदू परिषद की स्थापना की गई देश में अनेकों हिंदुओं के अहित में कार्य किया जा रहे थे। जिसको रोकने के लिए विश्व हिंदू परिषद की स्थापना की गई थी यदि कार्यकर्ता संगठन में आकर काम करेगा तो संगठनों के नियम कानून को समझ पाएगा संगठन क्या है। सामाजिक समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना ने कहां कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को समय पर आकर संगठन के लिए पूर्ण सहयोग देना चाहिए हमें भगवान ने भेजा है। जिला संयोजक जगदीश शाक्य ने कहा कि हमें संगठन को समय देना चाहिए परिस्थितियों कुछ भी हो सकती है काम भी हमारा कुछ हो सकता है किंतु संगठन के के लिए हमें पूरी ताकत से खड़ा होना होगा। इस दौरान अनिल राठौड़ , अर्जुन शाक्य, प्रदीप राठौर, बसंती लाल कुशवाहा आदि मौजूद थे।

भारतीय सरजमीं पर फिरकी जाल में उलझी बैजबॉल

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आखिकार इंग्लैंड की बैजबॉल क्रिकेट भारतीय सरजमीं पर धराशायी हो गयी। हैदराबाद में सीरीज के पहले टेस्ट में मिली हार के बाद रोहित सेना ने दमदार वापसी की और अगले चारों मुकाबले अपने नाम कर सीरीज को 4-1 से जीत लिया।टेस्ट मैचों को अलग अंदाज में खेलने की नयी परिपाटी लिखने वाली मैकुलम-स्टोक्स की जोड़ी के लिए 5 टेस्ट मैचों की इस सीरीज का असर क्या होगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन फिलहाल यह कहा जा सकता है कि वो जिस तेवर के साथ अपनी टीम के साथ भारत आए थे वह टीम इंडिया के आगे ठंडे पड़ गए।इंग्लैंड ने जिस अंदाज में अपने अभियान का आगाज किया था,उससे सीरीज रोमांचक होती नजर आ रही थी, मगर हैदराबाद टेस्ट गंवाने के बाद भारत ने विशाखापतनम से लेकर धर्मशाला तक रोहित शर्मा की शानदार चतुराई भरी कप्तानी व खिलाड़ियों के दमखम से अंग्रेजों के बैजबॉल को अपने जाल में उलझा दिया। वैसे तो हमेशा से ही भारतीय सरजमीं पर खेलने वाली मेहमान टीमों के लिए फिरकी सबसे बड़ी मुसीबत रही है,लेकिन अगर हम टीम इंडिया की हैदराबाद में मिली एकमात्र हार पर नजर डालें तो उसकी सबसे बड़ी वजह अंतिम एकादश का चयन कहा जा सकता है। दरअसल भारतीय टीम ने उस मैच में अश्विन-जडेजा-अक्षर की तिकड़ी को बतौर फिरकी आजमाया था।पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद यह तिकड़ी दूसरी पारी में ओली पोप को अपने जाल में फंसाने में नाकामयाब रही थी, जो टीम इंडिया की हार का कारण बनी थी। हैदराबाद में मिली शिकस्त से सबक लेकर जैसे ही टीम इंडिया ने फिरकी जाल को कुलदीप की विविधता से बुना उसके बाद अंग्रेज टीम इसमें उलझ कर ही रह गयी। गौरतलब है कुलदीप यादव का बाकी के मैचों में चयन टीम की जीत का टोटका भी कहा जा सकता है। चयनकर्ताओं ओर मैनेजमेंट की यह बात वाकई समझ से परे है कि जडेजा और अक्षर पटेल को एक साथ अंतिम एकादश में मौका दिये जाने के मायने क्या रहते हैं, जबकि दोनों एक ही शैली के खिलाड़ी हैं। सच तो यह है कि भारतीय जमीन की फिरकी मददगार पिचों पर रिस्ट स्पिनर की अहमियत अधिक होती है।अगर हम इस सीरीज में मिली पिच की बात करें तो फिर यह नहीं कहा जा सकता कि यह मात्र गेंदबाजों के लिए मददगार थी। सभी मैदानों पर बल्लेबाजों को भी अपना हाथ दिखाने का बराबरी से मौका मिला।गेंदबाजों में फिरकी के साथ तेज गेंदबाजों के माकूल भी पिचें नजर आयी।मतलब साफ है कि पूरी सीरीज में पिच क्यूरेटर की भूमिका भी मेरी नजर में सराहनीय रही है।क्योंकि जिस तरह की पिचों पर इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने असहाय नजर आ रहे थे, उसी पर टीम इंडिया के युवाऔर अनुभवी बल्लेबाजों ने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी की है।टीम इंडिया के लिहाज से यशस्वी जायसवाल सीरीज की सबसे बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है।अब यह देखना बेहद दिलचस्प रहेगा कि बांये हाथ के युवा विस्फोटक का विदेशी जमीन पर खेलने का अंदाज क्या ओर कैसा रहता है।विराट कोहली और के एल राहुल की वापसी के बाद सरफराज ओर जुरेल का सफर भी चुनौती पूर्ण ही रहेगा। यह सभी बातें हाल फिलहाल में भविष्य के गर्त में छुपी रहने वाली हैं, क्योंकि आने वाला समय आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप के चरचराटे का रहने वाला है, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि धूम धड़ाके वाली क्रिकेट के आगाज के पहले टीम इंडिया ने इंग्लैंड के बैजबॉल क्रिकेट को अपने फिरकी जाल में उलझा कर बेहतरीन अंदाज में सीरीज अपने नाम कर ली।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

हीरामंडी रिलीज से पहले सोनाक्षी हुईं भावुक

कहा- जिसने यहां तक पहुंचाया उसकी शुक्रगुजार हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'हीरामंडी' को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में उन्होंने अपनी एक्टिंग को लेकर कई राज खोले हैं। बॉलीवुड की दबंग एक्ट्रस सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही संजय लीला भंसाली की बिग बजट फिल्म 'हीरामंडी द डायमंड' में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म पाकिस्तान के हीरामंडी मोहल्ले में रहने वाली तवायफों की जिंदगी पर बेस्ड है। सोनाक्षी अपनी इस अपकमिंग फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इससे पहले वो कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी एक्टिंग से चार चांद लगा चुकी हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी बॉलीवुड जर्नी को लेकर कई खुलासे किए हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने बताया कि बॉलीवुड में आने से पहले एक्टिंग उन्होंने कमर्शियल्स से अपने काम की शुरुआत की थी। जहां पर हीरो हमेशा लाइम लाइट में रहता था। एक्ट्रेस ने कहा - मैं हमेशा मुझे यहां तक पहुंचाने वाले ती शुक्रगुजार रहूंगी। एक्ट्रेस ने बताया कि जब संजय लीला भंसाली ने उन्हें हीरामंडी का ऑफर दिया तब उनके एक्साइटमेंट लेवल का कोई ठिकाना ही नहीं था। बता दें सोनाक्षी सिन्हा अब तक बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साल 2010 में एक्ट्रेस ने सलमान खान की फिल्म दबंग से बॉलीवुड मे अपना सफर शुरू किया था।

एक्टिंग की नहीं ली ट्रेनिंग

एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी बॉलीवुड जर्नी के बारे में जानकारी दी. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कभी एक्टिंग की ट्रेनिंग नहीं ली है. एक्ट्रेस ने आगे कहा – मुझे लाइफ में चैलेंज लेना अच्छा लगता है, मैं अपने अनुभव से सीखती हूं. इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस बोलीं- मैं कभी अपने पापा शत्रुघ्न सिन्हा के साथ उनके फिल्म सेट पर एक्टिंग सीखने नहीं गई. मैंने कभी एक्टिंग के लिए प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी नहीं ली है. मैंने खुद अपना काम करते हुए सीखा है।

अरबाज ने बचपन का किस्सा शेयर किया, बोले-

स्टंट करने के लिए सलमान को पिता ने थप्पड़ मारा था

अरबाज खान ने अपने भाई सलमान खान के बारे में बचपन के कुछ किस्से शेयर किए।उन्होंने बातों-बातों में बताया कि बचपन में सलमान खान के बारे में हर कोई चिंतित रहा करता था, खासतौर से पिता सलीम खान।अरबाज खान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि बचपन में सलमान खान अपने पिता लेखक सलीम खान से अक्सर उलझ जाया करते थे।सलमान खान टीनएज के समय बदमाश बन गए थे।उनके अंदर 'कुछ भी असंभव नहीं' वाली सोच थी।सलमान की यही सोच पिता सलीम खान के लिए चिंता का विषय बन गई थी।अरबाज ने कहा- सलमान बहुत ही ज्यादा शरारती भी था।पिताजी उस पर अक्सर चिल्लाते थे। सलमान पिताजी से हल्की-फुल्की मार भी खा लिया करता था।हालांकि मैं और सोहेल बच जाते थे, लेकिन सलमान थोड़ा बदमाश था।अरबाज खान ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा- पिताजी सलमान को सर्कस भी शो दिखाने ले गए थे।जब सलमान वापस आ रहे थे, तब उनकी नजर एक बिल्डिंग पर पड़ी जहां बहुत सारी रॉड रखी हुई थीं।सलमान चुपचाप वहां गया और कुछ स्टंट करने की कोशिश करने लगा।इस दौरान वो गिर गया और उसका हाथ टूट गया था।वापस घर आने पर सलमान ने हमें अपना हाथ दिखाया और कहा- ये देखो मेरे साथ क्या हो गया।उसने सोचा कि उसे सहानुभूति मिलेगी, लेकिन उसको दो थप्पड़ मिले।पिताजी ने झापड़ मार कर कहा- ये सब करने की क्या जरूरत थी? क्या तुम पागल हो? इसे डॉक्टर के पास लेकर जाओ।अरबाज ने कहा- सलमान बहुत ही फोकस्ड किस्म के इंसान हैं।वो एक बार जो ठान लेते हैं, उसे हासिल करके ही मानते हैं।चाहे फिर स्केटिंग सीखना हो, साइकिल चलाना हो, जिम्नास्टिक हो या क्रिकेट। सलमान हर क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए पूरी कोशिश करते हैं।उन्होंने कहा- बड़े होते हुए हर कोई सलमान को लेकर चिंतित रहता था।

जब पिटते-पिटते बचे थे बॉलीवुड के 'सिंघम'

बॉलीवुड के सिंघम इन दिनों अपनी अपनी फिल्म शैतान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. 8 मार्च को ये फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज हुई है. फिल्म की रिलीज के बाद से ही पॉजिटिव रिव्यूज का सिलसिला शुरू हो गया है. इस हॉरर थ्रिलर फिल्म में अजय की एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आ रही है. अजय देवगन मोस्टली एक्शन पैक्ड फिल्मों में अपने फाइटर अंदाज में नजर आते हैं. लेकिन एक वक्त ऐसा था जब अजय देवगन को बचाने के लिए उनके पिता को 200 लोगों की फौज का सहारा लेना पड़ा था. चलिए जानते हैं अजय देवगन से जुड़ा ये पूरा मामला क्या था.

कॉलेज में हुई लड़ाई: *अजय देवगन ने एक टीवी शो में अपने कॉलेज के इस किस्से का जिक्र किया था. एक्टर ने कहा- अपने कॉलेज के समय में वो दोस्तों के साथ काफी मस्ती करते थे. लेकिन एक बार जब वो साजिद खान के साथ कार ड्राइव पर निकले तभी उनकी कार की टक्कर हो गई. जिसके बाद सामने वाले से अजय का झगड़ा शुरू हो गया. देखते ही देखते झगड़ा मारपीट में बदल गया और लोगों ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया. ऐसे में वो लड़कों के रूप के बीच में अकेले पड़ने लगे थे।*

200 फाइटर्स के साथ पहुंचे पिता: *अजय देवगन ने इंटरव्यू में आगे कहा सड़क के बीचों बीच हो रही इस लड़ाई के बारे में जैसे ही उनके पिता वीरू देवगन को मालूम हुआ तो वो झगड़ा सुलझाने मेरे के पास पहुंच गए थे. लेकिन इसमें एक ट्विस्ट उनके पिता वहां अकेले नहीं पहुंचे थे. वो अपने साथ 200 फाइटर्स ले कर आए थे. इन भारी भरकम फाइटर्स को देखकर सामने वाले डर गए और खुद ही साइड हटकर खड़े हो गए। अपने कॉलेज डेज में अजय को झगड़े से खुद को बचाने के लिए भले ही 200 फाइटर्स का सहारा लेना पड़ा हो. लेकिन आज वो बड़े पर्दे पर अपने फाइटिंग सीन से अच्छों अच्छों के पसीने छुड़ा देते हैं. काफी समय बाद अजय बड़े पर्दे पर शांत रोल में नजर आए हैं।*

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिटमैन ने शानदार प्रदर्शन

रोहित ने सीरीज के पांच मैचों की नौ पारियों में 400 रन बनाए

नईदिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हिटमैन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीरीज के पांच मैचों की नौ पारियों में 400 रन बनाए। आखिरी टेस्ट की पहली पारी में रोहित ने दूसरे दिन शतक लगाया। इस सीरीज में भारतीय दिग्गज का उच्चतम स्कोर 131 रन रहा। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज टीम इंडिया की जीत के साथ समाप्त हो गई। भारत ने इस सीरीज में इंग्लिश टीम को 4-1 से मात देकर बैजबॉल की धज्जियां उड़ा दीं। आखिरी मुकाबले में भारत ने पारी और 64 रन से इंग्लिश टीम को लगातार चौथी शिकस्त दी। इसके बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने संन्यास पर बात की। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हिटमैन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीरीज के पांच मैचों की नौ पारियों में 400 रन बनाए। आखिरी टेस्ट की पहली पारी में रोहित ने दूसरे दिन शतक लगाया। इस सीरीज में भारतीय दिग्गज का उच्चतम स्कोर 131 रन रहा।

द्रविड़ ने दिया हिटमैन को जीत का श्रेय

रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम के मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान की तारीफ की। हिटमैन को जीत का श्रेय देते हुए कप्तान ने कहा, इसका श्रेय पूरी तरह रोहित को जाता है जिन्होंने पहले टेस्ट में मिली हार के बाद ड्रेसिंग रूम के माहौल को पूरी तरह से शांत रखा। सीरीज जीतने के बाद पूर्व कप्तान ने रोहित की बल्लेबाजी पर भी बात की। उन्होंने आगे कहा, रोहित को बल्लेबाजी करते हुए देखना सुखद है। मैंने उन्हें मध्यक्रम से लेकर बतौर ओपनर भी बल्लेबाजी करते हुए देखा है और उनकी यात्रा काफी शानदार रही है।

कब संन्यास लेंगे रोहित शर्मा?

मैच के बाद 36 वर्षीय बल्लेबाज ने अपने संन्यास को लेकर बात की। उन्होंने कहा, एक दिन मैं उठूंगा और महसूस करूंगा कि अब मैं ज्यादा अच्छा नहीं हूं तो क्रिकेट से सीधे दूर हो जाऊंगा और संन्यास ले लूंगा, लेकिन पिछले 2-3 साल से मैं अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ खेल रहा हूं। इससे साफ है कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है।

इंग्लैंड को सीरीज हराकर डब्ल्यूटीसी के टॉप पर भारत

भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली। पहली पारी में इंग्लैंड की टीम 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन की बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए। टीम इंडिया अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। भारत ने इंग्लैंड को 4-1 से हराया। इससे पहले साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही, जबकि वेस्टइंडीज को 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 से हराया। टीम इंडिया के 3 सीरीज में 68.51 पॉइंट्स हो गए हैं, टीम पहले नंबर पर है। न्यूजीलैंड दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। भारत को अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में एक सीरीज खेलनी है। वहीं 2 सीरीज बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर रहेगी।

पंत के आईपीएल खेलने पर संशय

एनसीए से फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिला; स्क्वॉड में भी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी

ऋषभ पंत को अब तक आईपीएल खेलने के लिए फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिल सका है। दिल्ली कैपिटल्स ने पंत की फिटनेस रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से टीम मैनेजमेंट को कोई जवाब नहीं मिला। आईपीएल 22 मार्च से शुरू होगा। पंत को एनसीए से फिटनेस टेस्ट पास होने का सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। इस कारण उनके आईपीएल खेलने पर संशय है। नेशनल क्रिकेट एकेडमी के एक्सपर्ट पंत को मैच खेलने को लेकर फिट नहीं मान रहे हैं। सूत्रों की मानें तो फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिलने के कारण दिल्ली कैपिटल्स ने अपने स्क्वॉड में अब तक ऋषभ पंत को शामिल नहीं किया है। हालांकि टीम मैनेजमेंट बीसीसीआई से रिक्वेस्ट कर पंत को एक्स्ट्रा प्लेयर के रूप में स्क्वॉड में रख सकता है। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट डायरेक्टर सौरव गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा था कि पंत फिट हैं और खेल सकते हैं। 5 मार्च को उनकी फिटनेस रिपोर्ट मिलेगी। हालांकि अभी तक पंत की रिपोर्ट सामने नहीं आई। डीसी टीम के को-ऑनर पार्थ जिंदल ने भी कहा था कि पंत आईपीएल के शुरुआती मैच खेलेंगे। वह फर्स्ट हाफ में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उन्होंने बैटिंग करनी शुरू कर दी है, वह विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं। ढूक्से पहले तक वह फिट हो जाएंगे। पंत दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। उनका 31 दिसंबर 2022 को दिल्ली से की जाने के दौरान एक्सीडेंट हो गया था।

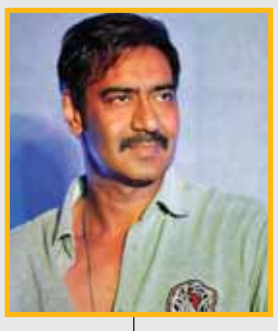

डब्ल्यूपीएल-2...मुंबई ने गुजरात को 7 विकेट से हराया

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची मुंबई इंडियंस की टीम

मुंबई, एजेंसी

गुजरात को हराकर मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आ गई है। टीम के सबसे ज्यादा 10 पॉइंट है। गुजरात आखिरी नंबर पर है। डब्ल्यूपीएल-2 में मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 7 विकेट से हरा दिया। मुंबई की 7 मैचों में यह पांचवीं जीत है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात जायंट्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 190 रन बनाए। जवाब में मुंबई 19.5 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर ली। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नाबाद अर्धशतक लगाया। उन्होंने 48 बॉल पर ताबड़तोड़ 95* रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 190 रन लगाए। टीम की तरफ से हेमलता ने सबसे ज्यादा 40 गेंदों पर 74 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान बेथ मूनी ने 35 गेंदों पर 66 रन की शानदार पारी खेली। मुंबई से साइका इशाक ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। हेली मैथ्यूज, सजीवन साजना, पूजा वस्त्राकर और शबनीम इस्माइल को एक-एक विकेट मिला। 191 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई को हेली मैथ्यूज और यास्तिका भाटिया ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 6.3 ओवर में 50 रन जोड़े। यास्तिका ने 49 और मैथ्यूज 18 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, नेटली सीवर-ब्रंट 2 रन बनाकर आउट हुईं। हरमनप्रीत ने 48 गेंदों पर 95 रन की नाबाद पारी खेली।

30 की उम्र के बाद महिलाओं को जरूर करवाने चाहिए कुछ टेस्ट...

गंभीर बीमारियों से बचने के लिए एक व्यक्ति को अपने खानपान के साथ-साथ लाइफस्टाइल को बेहतर रखने की जरूरत है. खासकर महिलाओं को हेल्थ से जुड़े 5 टेस्ट जरूर करवाने चाहिए. महिलाएं अपने पूरी फैमिली, घर, परिवार का ख्याल रख लेती हैं लेकिन वह अपने खुद का ख्याल नहीं रख पाती हैं.

Life&Style METRO

आज हम आपको ऐसे मेडिकल चेकअप्स के बारे में बात करेंगे जो हर महिलाओं को हर साल जरूर करवाना चाहिए. स्तन कैंसर की आशंका को दूर करने के लिए 30 साल के बाद बीआरसीए जीन उत्परिवर्तन टेस्ट भी जरूरी कहा जाता है. स्तन कैंसर का जल्दी पता लगाने के लिए आनुवंशिक जांच परीक्षण में बीआरसीए जीन का टेस्ट करवाना चाहिए. गंभीर बीमारियों से बचने के लिए एक व्यक्ति को अपने खानपान के साथ-साथ लाइफ स्टाइल को बेहतर रखने की जरूरत है. खासकर महिलाओं को हेल्थ से जुड़े टेस्ट जरूर करवाने चाहिए. महिलाएं अपनी पूरी फैमिली, घर, परिवार का ख्याल रख लेती हैं लेकिन वह अपने खुद का ख्याल नहीं रख पाती हैं।

अनुवांशिक बीमारी: महिला को किसी तरह की आनुवांशिक बीमारी के संकेत और जोखिम को पहचाना जा सकता है. इस टेस्ट के जरिए पता लगाया जा सकता है कि परिवार में अगर किसी को कोई बीमारी रही है और वो कहीं महिला को तो नहीं घेर लेगी. इस टेस्ट के जरिए महिलाएं कई गंभीर आनुवांशिक बीमारियों से अपना बचाव कर सकती हैं. आनुवांशिक परीक्षणों में महिलाओं को होने वाले किसी भी तरह के कैंसर का भी पता चल सकता है.

दिल: उम्र बढ़ने के साथ दिल कमजोर होता है और इसीलिए महिलाओं को आनुवांशिक परीक्षण में हृदय संबंधी टेस्ट करवाने चाहिए. इसके जरिए हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया और हाइपरट्राफिक कार्डियोमायोपैथी जैसी वंशानुगत बीमारियों का पता चल सकता है।

अल्जाइमर: 35 साल की उम्र के बाद महिलाओं को अल्जाइमर का भी टेस्ट करवा लेना चाहिए. इस बीमारी का कारण शरीर में एपीओई जीन होता है और इसलिए आनुवंशिक परीक्षण में इसका भी टेस्ट किया जाता है. इससे पता चल सकेगा कि कहीं महिला अल्जाइमर का शिकार तो नहीं होने वाली है.

सर्वाइकल कैंसर: 35 साल की उम्र के बाद सर्वाइकल कैंसर संबंधी स्क्रीनिंग भी करवानी जरूरी मानी जाती है. इस स्क्रीनिंग में सर्वाइकल कैंसर की जांच की जाती है और इसके साथ साथ एचपीवी जिनोटाइपिंग टेस्ट भी किया जाता है. आपको बता दें कि दुनिया भर में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ें हैं और भारत में ये मामले काफी तेजी से पैर पसारते नजर आ रहे हैं।

गोविंदपुरा में दवाई लेने जा रही युवती के हाथ से बाइक सवार दो बदमाश मोबाइल लूटकर भागे

युवती का मोबाइल लूटकर भागे बाइक सवार बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में चोरी, नकबजनी और लूट की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। गोविंदपुरा इलाके में पैदल दवाई लेने जा रही एक युवती के हाथ से बाइक सवार दो बदमाश मोबाइल लूटकर भाग निकले। इधर अशोका गार्डन और कोतवाली इलाके में दो स्थानों से चोर दिनदहाड़े लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फाइल फोटो

गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक निकिता मिश्रा (24) पूजा गर्ल्स होस्टल के पास, रचना नगर गोविंदपुरा में रहती हैं और निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। बीती 4 मार्च की रात करीब पौने दस बजे वह अपने कमरे से पैदल दवाई लेने के लिए मेडिकल स्टोर जा रही थी। पैदल चलते हुए वह किसी से मोबाइल पर बात भी कर रही थी। निकिता जैसे ही गल्स होस्टल के सामने पहुंचे, वैसे ही पीछे से बाइक सवार दो युवक उसके नजदीक पहुंचे। बाइक पर बैठे पीछे वाले बदमाश ने निकिता के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और दोनों रचना नगर से साई मंदिर की तरफ भाग निकले। लूटे गए मोबाइल की कीमत 19 हजार रुपये बताई गई है। घटना के समय निकिता के पास मोबाइल का बिल नहीं था, इसलिए उन्होंने बाद में थाने जाकर लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई। निकिता ने पुलिस को बताया कि बाइक चलाने वाला बदमाश आसमानी कलर की शर्ट पहने था, जबकि पीछे बैठा बदमाश मेहरून लाल रंग की शर्ट पहने था। घबराहट में वह बाइक का नंबर नहीं देख पाई थी। पुलिस हुलिए के आधार पर लुटेरों की तलाश कर रही है।

सूने मकान से दिनदहाड़े हजारों का सामान चोरी

कोतवाली थानांतर्गत बढ़ईपुरा में रहने वाले समीर खान शुक्रवार को मकान पर ताला लगाकर काम पर गए थे। दोपहर करीब एक बजे अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पांच हजार रुपए समेत करीब 50 हजार का सामान चोरी कर ले गए।

इसी प्रकार अशोका गार्डन थानांतर्गत औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्री का ताला तोड़कर चोर दिनदहाड़े ड्रिल मशीन और दो बंडल केबिल वायर समेत करीब 30 हजार का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने प्रदीप सक्सेना की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर गोविंदपुरा थानांतर्गत कस्तूरबा नगर से अरविंद अहिरवार और सिग्नेचर विला कोलार रोड से राधिका कोले की घर के सामने खड़ी मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

परीक्षा देकर एग्जाम सेंटर से बाहर निकली छात्रा के साथ युवक ने की अश्लील हरकत

पिपलानी स्थित स्कूल से परीक्षा देकर बाहर निकली एक छात्रा के साथ युवक ने सरेराह अश्लील हरकत कर दी। इस दौरान मौके पर पहुंचे ममेरे भाई ने जब युवक की हरकत का विरोध किया तो उसने मारपीट कर दी। घटना के बाद सीधे थाने पहुंची छात्रा ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम सीहोर भेजी जाएगी।

फाइल फोटो

पुलिस के मुताबिक मूलत- सीहोर निवासी 16 वर्षीय एक किशोरी भोपाल में होस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है। पिछले करीब एक महीने से वह कोलार रोड पर रहने वाले अपने रिश्तेदार के यहां रह रही है और वहीं से पिपलानी स्थित स्कूल में नौवीं की परीक्षा देने आती है। गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे छात्रा परीक्षा देकर स्कूल से बाहर निकली तो आदित्य विश्वकर्मा नामक युवक ने उसे रोक लिया। आदित्य भी सीहोर का रहने वाला है। उसने छात्रा का जबरन हाथ पकड़ा और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो वह गाली-गलौज करने लगा। इस बीच परीक्षा देकर बाहर आए ममेरे भाई ने जब इसका विरोध किया तो आदित्य ने उसके साथ जमकर मारपीट कर दी। आसपास के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो वह दोनों को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। बाद में छात्रा ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी पहले भी उसके साथ अश्लील हरकत कर चुका था, लेकिन डर के कारण उसने किसी से शिकायत नहीं की थी।

संवेदनशीलता में सर्वश्रेष्ठ शहर बनेगा भोपाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

- **लैंगिग समानता को लेकर बीएसएसएस कालेज में कार्यक्रम**
- **पुलिस और सामाजिक संस्था उदय का संयुक्त प्रयास**

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को पुलिस कमिश्नरेट, मप्र पुलिस और उदय सामाजिक विकास संस्था द्वारा परिवार उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीएसएसएस कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम आयोजित इस कार्यक्रम में 1600 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे। यूएन की महिला दिवस थीम 'इम्पायर इन्क्लुजन' पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिवार और समाज में लैंगिक समानता और समता का वातावरण निर्मित करना है, ताकि बालिकाएं और महिलाएं समाज में सुरक्षित महसूस कर सकें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के महापौर मालती राय, विशिष्ट अतिथि डीआईजी डॉ. विनीत कपूर, डीसीपी हेडक्वार्टर रामशरण प्रजापति, एडीसीपी नीतू ठाकुर, एसीपी क्राइम अनुरक्ति सबनानी, कनाडा की कोएड यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर ऑलिन और आभा भइया, स्वयं सेवी संस्था की जूली जैन, सारिका सिन्हा, यूनिसेफ के अमरजीत आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य उदय संस्था की निर्देशिका डॉ. सिटर लिसि थॉमस ने रखा। मंच संचालन भारती ठाकरे व सीतू जादौन ने किया। आभार एडिशनल डीसीपी महिला सुरक्षा नीतू ठाकुर ने माना।

महापौर राय ने कहा कि पुलिस और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से भोपाल की महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी है और हम सभी को मिलकर इसे सबसे संवेदनशील शहर भी बनाना है। भोपाल पुलिस ने कई नवाचार किए हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। निश्चित ही हम न केवल भोपाल बल्कि प्रदेश के हर जिले को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाएंगे।

सिंधी कालोनी चौराहे पर अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति की लाश मिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीला जमालपुरा पुलिस ने सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति की लाश बरामद की है। मृतक की उम्र 60 से 65 वर्ष के बीच बताई गई है। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। शव मिलने की सूचना और हुलिए की जानकारी सभी थानों को भेज दी गई है। मृतक के संबंध में किसी प्रकार की सूचना मिलने पर थाना टीला जमालपुरा से मोबाइल नंबर 7587601815 947999 0593 पर संपर्क किया जा सकता है।

छोला में नाबालिग लड़की का युवक ने किया शारीरिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर पुलिस ने एक नाबालिग लड़की की रिपोर्ट पर एक युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद घर पर ही रहती है। मोहल्ले में रहने वाले राजेश नामक युवक को वह पिछले कुछ महीने से जानती है। इस दौरान राजेश ने किशोरी से दोस्ती बढ़ाई और करीब एक महीने पहले उसे रात के समय घर के बाहर बुलाकर अपने साथ ले गया और डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद उसने कई बार किशोरी का शोषण किया। शुक्रवार रात भी आरोपी ने उसे घर के बाहर बुलाया था, तभी परिजनों की नजर पड़ी तो किशोरी से पूछताछ की। डरी-सहमी पीड़िता ने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद घरवाले उसे थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

फाइल फोटो

नेशनल लोक अदालत

20 हजार 162 मामलों का हुआ निराकरण, 107 परिवारों में हुई सुलह, साथ घर लौटे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिला न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। 62 खण्डपीठों में इस दौरान राजीनामा के आधार पर कुल 20 हजार 162 मामलों का निराकरण हुआ। जिसमें 44 करोड़ 47 लाख 13 हजार 972 रूपए से अधिक अवार्ड राशि पारित की गई। लोक अदालत में 14 हजार 324 लंबित रेफर्ड प्रकरण में से 1 हजार 990 प्रकरण निराकृत हुए। प्री-लिटिगेशन रेफर्ड प्रकरण 57 हजार 415 रखे गए थे, जिसमें से 18 हजार 172 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इसके अलावा चेक बाउंस से संबंधित 481, मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित 526, आपराधिक राजीनामा योग्य 471 प्रकरण, 107 पारिवारिक प्रकरण, बैंक रिकवरी के 836, व्यवहारवाद के 42, विद्युत अधिनियम के 1 हजार 117, श्रम विभाग से संबंधित 13, यातायात नियमों के उल्लघन संबंधी 1 हजार 956, जलकर एवं संपत्ति के 14 हजार 406 एवं 204 अन्य प्रकरण भी निराकृत किए गए। चेक बाउंस एवं मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित एक दिन में कुल 1007 प्रकरण निराकृत हुए जिनका निराकरण नियमित न्यायालय में एक वर्ष से अधिक अवधि में भी होना संभव नहीं है।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में मिले 45 लाख रुपए

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय के द्वारा बीमा कंपनी एवं आवेदक के मध्य समझौता करवाया गया। सड़क दुर्घटना 21 फरवरी 2023 को रामगोपाल की ट्क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में मृतक की माता एवं मृतक की दो बहनो एवं दादी के द्वारा उनके अधिवक्ता के माध्यम से दावा प्रस्तुत किया गया। मामले में 45 लाख रुपए अवार्ड पारित किया गया।

बेटी के पसंद के लड़के से कराई शादी, पति ने लगाया केस

एक प्रकरण में पत्नी द्वारा बेटी की शादी उसके पसंद के लड़के से कराने से नाराज पति ने तलाक का केंस दर्ज कराया था। मामले में पत्नी की उम्र 55 वर्ष और पति की उम्र 63 साल है। यहां तक कि नाराज पति ने पत्नी को घर से भी निकाल दिया था और साथ रखने के लिए तैयार नहीं थी। मामले में न्यायालय द्वारा दंपति की काउंसलिंग कराई गई। न्यायालय के समझाइश के बाद दोनो के बीच सुलह हुई। जिन्हें पौधा भेंटकर साथ घर भेजा गया।

जिला उपभोक्ता आयोगों में 632 मामले सुलझे

मप्र राज्य उपभोक्ता आयोग में 17 मामले नेशनल लोक अदालत में रखे गए। इस दौरान 16 मामलों का निराकरण हुआ। इन मामलों कुल 16 लाख 16 हजार 767 रूपए की अवार्ड राशि पारित की गई। भोपाल जिले में जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक एक में 39 में से 16 और जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक दो में 35 में से 35 प्रकरणों का निराकरण किया गया। वहीं प्रदेशभर के जिला उपभोक्ता आयोगों में 1 हजार 13 प्रकरण रखे गए, जिसमें 632 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इनमें 6 करोड़ 39 लाख 11 हजार 735 रूपए की अवार्ड राशि पारित की गई।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों से 8 लाख से ज्यादा समन शुल्क वसूला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 1956 वाहन चालकों से शनिवार को 8 लाख 8 हजार 650 रुपए का समन शुल्क वसूल किया गया। जानकारी के अनुसार भोपाल शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आईटीएमएस द्वारा ई-चालान जारी किये जाते हैं। ई-चालान की राशि जमा करने के लिए ट्रैफिक थाने में शनिवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया था। लोक अदालत में हाजिर होने के लिए 8 हजार लोगों को समन जारी किए गए थे, जिनमें से कुल 1956 चालानों का आनलाइन और आफलाइन निराकरण किया गया। ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि वह ट्रैफिक नियमों का पालन करें और किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात के दूरभाष नंबर 0755-2677340 अथवा 2443850 पर संपर्क कर सकते हैं।

फाइल फोटो

मेट्रो एंकर — शाहपुरा में रहने वाले एक युवक के साथ हुई वारदात

युवक पर छुरी से प्राणघातक हमला, तीन आरोपियों पर केस दर्ज

फाइल फोटो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा में रहने वाले एक युवक के साथ मारपीट कर छुरी से प्राणघातक हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। हमले का कारण पुराना विवाद बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक इंद्रानगर मल्टी शाहपुरा में रहने वाला आदर्श कदम प्रायवेट काम करता है। शनिवार दोपहर करीब एक बजे वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी बीच करण नामक युवक अपने दो अन्य दोस्तों अमन और निर्मल को लेकर उसके पास पहुंचा। वह आदर्श के साथ गाली-गलौज करते हुए कहने लगा कि तुमने हमारे दोस्त के साथ बदलसूकी क्यों की थी। आदर्श ने जब गाली-गलौज करने से मना किया तो तीनों ने उसके साथ हाथ व मुक्कों से मारपीट कर दी। इस बीच एक युवक ने छुरी निकालकर हमला कर दिया। आदर्श ने बचने का प्रयास किया, लेकिन छुरी उसके गले के पास लगी। उसके बाद तीनों आरोपी मौके से भाग निकले।

आग से झुलसी नव विवाहिता की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फाइल फोटो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित बाणगंगा में शनिवार सुबह आग से झुलसने के कारण नव विवाहिता की मौत हो गई। गंभीर रूप से झुलसने के बाद पति उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा था। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान रात करीब 9.00 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार आशु पति आसिफ खान (20) बाणगंगा झुग्गी, टीटी नगर में रहती थी। शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में वह आग से झुलस गई। परिजन उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। हमीदिया अस्पताल में रात करीब 9.00 बजे आशु ने दम तोड़ दिया। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंप दी गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022